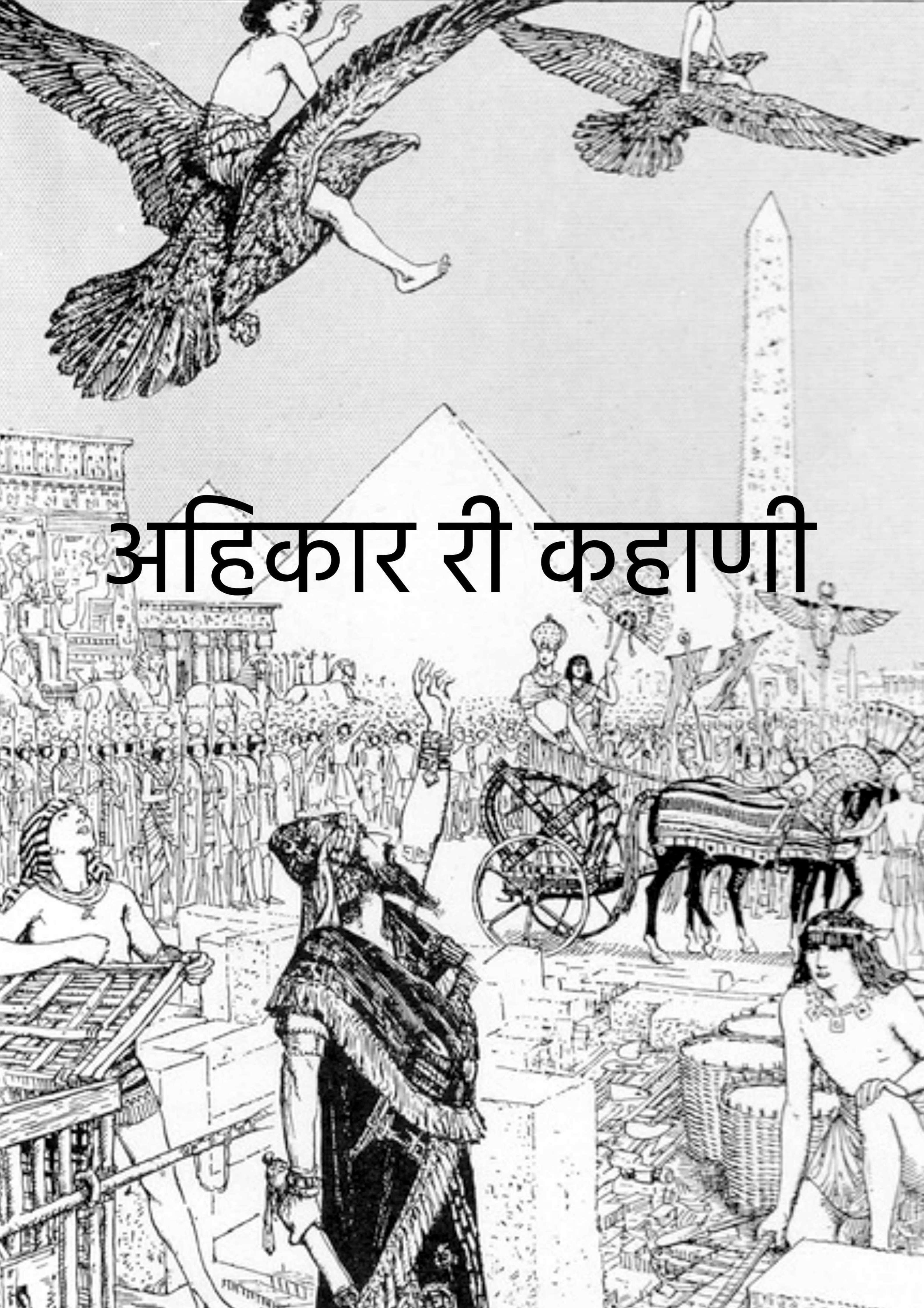


अहिकार री कहाणी

परिचय

अहिकार री कहाणी रै मांय मिनख रै विचार अर ज्ञान रा सबसूं प्राचीन स्रोतां मांय सूं एक है। इणरो प्रभाव कई लोगां री किंवदंतियां रै माध्यम सूं देख्यो जा सकै है, जिण मांय कुरान, अर पुराणो अर नयो नियम शामिल है।

जर्मनी रै ट्रेव्स रै मांय पायो गयो एक मोज़ेक, जिण मांय दुनिया रै ज्ञानी लोगां रै मांय अहिकर रो चरित्र चित्रित हो। अठै है बां री रंगीन कहाणी।

इण कहाणी री तारीख माथै जीवंत चरचा रो विसय रैयो है। विद्वानों नै आखिरकार इणनै पैली सदी रै बारै में राख दियो जद बांनै 500 ईसा पूर्व रै हाथी रै खंडहरों रै बीच एक अरामी पपीरस में मूल कथा रै द्वारा गलत साबित कर दियो गयो।

आ कहाणी जाहिर तौर माथै काल्पनिक है अर इतिहास कोनी। असल म्हं पाठक द अरबियन नाइट्स रै पूरक पन्नां माथै इणरी परिचय कर सकै है। ओ शानदार ढंग सूं लिख्योड़ो है अर क्रिया, साज़िश अर संकीर्ण पलायन सूं भरपूर कथा लास्ट तांई ध्यान खींचै है। कल्पना री आजादी लेखक री सबसूं कीमती संपत्ति है।

लेखन खुद नै च्यार चरणां मांय बांटै है: (1) कथा; (2) शिक्षा (नीतिवचनां री एक उल्लेखनीय श्रृंखला); (3) मिस्र री यात्रा; (4) उपमा या दृष्टान्त (जिणरै साथै अहिकर आपरै भ्रष्ट भतीजे री शिक्षा पूरी करै है)।

अध्याय 1

असीरिया रा ग्रैंड वजीर अहिकार री 60 लुगायां है पण बां रो कोई बेटो नीं होवणो है। इण वास्तै बो आपरै भतीजै नै गोद लेवै है। वो उणनै रोटी अर पाणी सूं बेसी ज्ञान अर ज्ञान सूं भर देवै है।

1 राजा सेनहेरीब रै वजीर ज्ञानी हैकार अर ऋषि हैकर री बैन रै बेटै नादान री कहाणी।

2अश्शूर अर नीनवे रा राजा सरहदुम रै बेटै राजा सन्हेरीब रै बगत एक वजीर हो, जिणरो नांव हैकर नाम रो एक ज्ञानी हो अर बो राजा सन्हेरीब रो वजीर हो।

3 उणरै कनै एक भलो, भाग्य अर घणो सामान हो, अर बो कुशल, ज्ञानी, दार्शनिक, ज्ञान, राय अर शासन में हो, अर बो साठ लुगायां सूं ब्याव कर लियो हो अर बां मांय सूं हरेक रै वास्तै एक महल बणायो हो।

4 पण इणरै साथै ई उणरै कोई संतान नीं हुई। आं लुगायां मांय सूं, जका बां रो वारिस हो सकै है।

5 अर बो इण बात सूं घणो दुखी हो अर एक दिन बो ज्योतिषियां अर विद्वानां अर जादूगरां नै भेळा करियो अर बांनै आपरी हालत अर आपरी बांझपणै री बात बताई।

6 अर बे उणनै कैयो, 'जा अर देवतावां नै बलि चढ़ा अर बां सूं अरदास कर कै कदाक वे थारै वास्तै एक छोरो दे सकै।'

7 जंय्यां बो बिनै बतायो हो, बो मूर्तियां नै बलिदान चढ़ायो अर बां सूं विनती करी अर अरदास करी।

8 पण बे उणनै एक भी सबद रो जबाब कोनी दियो। अर वो दुखी अर निराश होयोड़ो अर आपरै दिल री पीड़ा रै साथै रवाना होयो।

9 अर बो पाछो आयो अर सर्वोच्च परमेश्बर सूं अरदास करी अर बिश्वास करियो अर आपरै हिवड़ै री ज्वाला सूं अरदास करी अर कैयो, 'हे सर्वोच्च परमेश्बर, हे आकास अर धरती रो सिरजणहार, हे सगळी सृष्टि रो सिरजणहार।

10मैं थारै सूं अरदास करूं कै थूं म्हनै एक छोरो दे, जिणसूं म्हनै उणसूं दिलासा मिल सकै, जिणसूं वो म्हारै स्वास्थ्य रै बगत मौजूद रैय सकै, जिणसूं वो म्हारी आंख्यां बंद कर सकै अर म्हनै दफना सकै।'

11.फेर उणरै कनै एक आवाज आई अर कैयो, 'जद तांई थूं सबसूं पैली मूरतियां माथै भरोसो करियो अर बां नै बलिदान चढ़ायो, इण वास्तै थूं आखी उमर निस्संतान रैसी।

12 पण थारी बैन रै बेटै नादान नै ले अर उणनै आपरो टाबर बणाओ अर उणनै आपरी शिक्षा अर आपरी भली-भांति पालन-पोषण सिखाओ अर थारै मर्यां पछै बो थानै दफनावैला।

13 जणा बो आपरी बैन रो बेटो नादान नै लेयग्यो जको छोटो सो दूध पिलायो हो। अर बो उणनै आठ नर्सां रै हाथां सूंप दियो, ताकि वे उणनै दूध पिला सकै अर उणनै पाळ सकै।

14 अर बे उणनै चोखा भोजन अर कोमल प्रशिक्षण अर रेशमी कपड़ा अर बैंगनी अर लाल रंग रा कपड़ा देय'र पाळ्या। अर वो रेशम रा सोफा माथै बैठग्यो।

15अर जद नादान मोटो होयो अर ऊंचो देवदार री तरै चालण लागग्यो, तो बो उणनै आच्छी आदतां अर लेखन अर विज्ञान अर दर्शन सिखायो।

16 अर घणा दिनां पाछै राजा सनहेरिब हैकर नै देख्यो अर देख्यो कै ओ घणो बूढो होग्यो है अर बो उणनै कैयो।

17 'हे म्हारा आदरणीय मित्र, कुशल, भरोसेमंद, ज्ञानी, राज्यपाल, म्हारा सचिव, म्हारा वजीर, म्हारा कुलपति अर निदेशक; साची में थूं घणो बूढो होग्यो है अर बरसां सूं भार्योड़ो है; अर थारो इण संसार सूं जावणो नजीक है।

18 मन्नै बताओ कै थारै पाछै म्हारी सेवा रै मांय किण नै स्थान मिलैला।' अर हैकर उणसूं बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी, थारो माथो सदा जीवतो रैवै! अठै नादन म्हारी बैन रो बेटो है, म्हैं उणनै म्हारो टाबर बणायो है।

19 अर म्हैं उणनै पाळ्यो-पोस्यो अर उणनै आपरी बुद्धि अर ज्ञान सिखायो।'

20 अर राजा उणसूं बोल्यो, हे हैकर! उणनै म्हारै सामी ल्याओ, ताकि म्हैं उणनै देख सकूं अर जे म्हैं उणनै जोग पाऊं तो उणनै थारै स्थान माथै राख सकूं; अर थूं आराम करण अर आपरै बाकी रै जीवन नै मीठे विश्राम रै साथै बितावण रै वास्तै आपरी राह माथै जावैला।'

21 फेर हैकर गयो अर आपरी बैन रै बेटै नादान नै पेश करियो। अर उणनै श्रद्धांजलि अर सत्ता अर सम्मान री कामना करी।

22 अर बो उणनै देख्यो अर उणरी प्रशंसा करी अर उणरै माथै राजी हुयो अर हैकर सूं बोल्यो, 'हे हैकार, कांई ओ थारो बेटो है? मैं प्रार्थना करूं कै भगवान उणनै बचा लेवै। अर जियां थूं म्हारी

अर म्हारै पिता सरहदम री सेवा करी है, बियां ई थारो ओ छोरो म्हारी सेवा करैला अर म्हारै काम-काज, म्हारी जरूरतां अर म्हारै धंधे नै पूरा करैला, जिणसूं म्हैं उणरो सम्मान कर सकूं अर थारै वास्तै उणनै शक्तिशाली बणा सकूं।'
23 अर हैकर राजा नै प्रणाम करियो अर बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी राजा, थारो सिर सदा जीवतो रैवै। मैं थारै सूं अरज करूं कै थूं म्हारै छोरै नादान रै सागै धीरज राखै अर उणरी भूलां नै माफ कर देवै ताकि वो थारी सेवा कर सकै जियां कै ठीक है।'
24फेर राजा उणनै कसम खाई कै वो उणनै आपरै प्रिय सैनिकां मांय सूं सबसूं मोटो अर आपरै मित्रां मांय सूं सबसूं ताकतवर बणावैला अर उणनै आपरै सागै पूरी आदर अर आदर रैसी। अर बो बांका हाथां नै चूम्यो अर बांनै विदाई दी।
25 अर बो नादान नै लेग्यो। उणरी बैन रो बेटो उणरै सागै बैठग्यो अर उणनै रात-दिन पढ़ावण लागग्यो, जद तांई कै बो उणनै रोटी अर पाणी सूं बेसी ज्ञान अर ज्ञान सूं भर नीं दियो।

अध्याय 2

प्राचीन काल रो एक "गरीब रिचर्ड रो पंचांग"। धन, लुगायां, भेषभूषा, व्यापार, दोस्तां रै बारै में मिनख रै आचरण रा अमर उपदेश। खासकर रोचक कहावतां पद 12, 17, 23, 37, 45, 47 मांय मिलै है। पद 63 री तुलना आज रै केई निंदकता सूं करो।
1 बो उणनै इण भांत सिखायो अर कैयो- 'हे म्हारा बेटा! म्हारी बात सुणो अर म्हारी सलाह मानो अर म्हारी बात नै याद राखो।
2 हे म्हारा बेटा! जे थूं कोई सबद सुणो है तो उणनै थारै हिवड़ै मांय मर जावै अर दूजा नै नीं बतावै, नींतर ओ कोयलो बण जावै अर थारी जीभ नै जला देवै अर थारै शरीर मांय पीड़ा नीं पैदा करै अर थूं अपमान नीं पावै अर परमेश्बर रै साम्हीं शर्मिंदा हुवै अर पुरुष।
3 हे म्हारा बेटा! जे थनै कोई खबर सुणी है तो बांनै मत फैलाओ; अर जे थूं कीं देख्यो है तो मत बता।
4 हे म्हारा बेटा! आपरी वाक्पटुता नै सुणबा आळा रै सामी सुगम बणाओ अर जवाब देबा में जल्दबाजी मत करो।
5 हे म्हारा बेटा! जद थूं कीं सुणै है तो बांनै मत छुपावै।
6 हे म्हारा बेटा! सीलबंद गांठ नै मत खोलो, ना ही उणनै खोलो अर ना ही ढीली गांठ नै मत बंद करो।
7 हे म्हारा बेटा! बारै री सुंदरता री लालसा मत करो, क्यूंकै वा कम हुय जावै है अर खत्म हो जावै है, पण एक सम्मानजनक याद हमेशा तांई रैवै है।
8 हे म्हारा बेटा! कोई मूरख लुगाई थानै आपरी बात सूं धोखो नीं देवै, नींतर थूं सबसूं दुखी मौतां सूं नीं मर जावै अर वा थानै जाळ मांय फंस जावै जद तांई थूं जाळ मांय नीं फंस जावै।
9 हे म्हारा बेटा! कपड़ा अर मरहम सूं सज्योड़ी लुगाई नै मत चावो, जिकी आपरी आत्मा रै मांय घृणित अर मूर्ख है। हाय हे थानै, जे थूं उणनै थारी कोई चीज दे देवै है, या थारै हाथ री चीज उणनै सौंप देवै है अर वा थानै पाप रै वास्तै फुसला देवै है, अर भगवान थारै माथै नाराज हुवैला।
10 हे म्हारा बेटा! बादाम रै पेड़ री तरै मत बणो, क्यूंकै ओ सगळा पेड़ां रै साम्हीं पात पैदा करै है अर सगळा रै पछै खावण जोग फल देवै है, पण शहतूत रै पेड़ री तरै बणो, जिको सगळा पेड़ां रै साम्हीं खावण जोग फल देवै है अर सगळा रै पछै पात देवै है।
11 हे म्हारा बेटा! आपरो माथो झुकाओ अर आपरी आवाज नै नरम करो अर विनम्र बणो अर सीधा मारग माथै चालो अर मूरख मत बणो। अर जद थै हँसौ तो आपरी आवाज मत उठाओ क्यूंकै जे जोर री आवाज सूं घर बण जावै तो गधा हर दिन घणा घर बणावैला; अर जे हल नै ताकत रै कारण चलायो जातो तो ऊंठ रै कंधा रै तळै सूं हल कदैई नीं हटतो।
12 हे बेटा! एक ज्ञानी आदमी रै सागै पत्थर हटावणो एक दुखी आदमी रै सागै दारू पीबा सूं चोखो है।
13 हे म्हारा बेटा! आपरी दाखरस धर्मी लोगां री कब्रां माथै उंडेल अर अज्ञानी अर घृणित लोगां रै सागै मत पी।
14 हे म्हारा बेटा! ज्ञानी लोगां सूं चिपक जावो जका परमेश्बर सूं डरता है अर बां री तरै है अर अज्ञानी रै कनै मत जावो, नींतर थूं बां री तरै नीं बण जावै अर बां रा मारग नीं सीख लेवै।
15 हे म्हारा बेटा! जद थनै कोई साथी या दोस्त मिल जावै तो उणनै आजमाओ अर पछै उणनै साथी अर दोस्त बणाओ; अर बिना परीक्षण रै उणरी तारीफ मत करो; अर ज्ञान री कमी वाळा मिनख रै सागै आपरी बात मत बिगाड़।
16 हे म्हारा बेटा! जद तांई थारै पगां माथै एक जूतो रैवै, उणनै लेय'र कांटा माथै चालणो, अर थारै बेटै, थारै घर अर थारै टाबरां रै वास्तै एक सड़क बणाओ, अर थारै जहाज नै समंदर अर उणरी लहरां माथै जावण सूं पैली अर डूबण सूं पैली तंग करो अर बो नीं कर सकै। बचायो गयो।
17 हे म्हारा बेटा! जे अमीर आदमी सांप खावै तो वै कैवै,--"ओ उणरी बुद्धि सूं है," अर जे कोई गरीब आदमी सांप खावै तो लोग कैवै, "उणरी भूख सूं।"
18 हे म्हारा बेटा! वो थारी रोज री रोटी अर थारी माल सूं संतुष्ट है अर दूजा री चीजां री लालसा नीं करै।
19 हे म्हारा बेटा! मूरख रै सागै पड़ोसी मत बणो अर उणरै सागै रोटी मत खाओ अर आपरै पड़ोसी री विपदावां माथै मत राजी हो। जे थारो दुश्मन थारै माथै अन्याय करै है तो उण माथै दया करो।
20 हे म्हारा बेटा! जको मिनख परमेश्बर सूं डरै है, बां सूं डरणो चाइजै अर बां रो आदर करणो चाइजै।
21 हे म्हारा बेटा! अज्ञानी आदमी गिरै अर ठोकर खावै अर ज्ञानी आदमी भलांई ठोकर खावै पण बो हिल नीं सकै अर भलांई बो गिर जावै बो झट उठै अर जे बो बीमार हुवै तो बो आपरी जान संभाळ सकै। पण जठै तण अज्ञानी, मूरख आदमी री बात है, बांरी बीमारी रै वास्तै कोई दवाई कोनी है।
22 हे म्हारा बेटा! जे कोई आदमी थारै कनै आवै है जिको थारै सूं कम है तो उणनै मिलबा रै वास्तै आगै बढ़ो अर खड़्यो रैवो अर जे वो थानै बदलो नीं दे सकै तो उणरो प्रभु थारै वास्तै बदलो देसी।
23 हे म्हारा बेटा! आपरै बेटै नै मारणो मत छोड़ो, क्यूंकै थारै बेटै नै मारणो बाग रै खाद री तरै है, अर पर्स रै मुंडै नै बांधण री तरै है, अर जानवरां नै बांधण री तरै है अर दरवाजै नै बंद करण री तरै है।
24 हे म्हारा बेटा! थारै बेटै नै बुराई सूं रोक अर उणनै शिष्टाचार सिखाओ इणसूं पैली कै वो थारै खिलाफ विद्रोह करै अर थानै लोगां रै बीच तिरस्कार में लावै अर थूं सड़कां अर

सभावां में आपरो माथो लटका देवै अर थनै उणरै दुष्ट कामां री बुराई रै वास्तै सजा मिलै।
25 हे म्हारा बेटा! थारै वास्तै एक मोटो बैल अर खुरां आळो मोटो बैल अर मोटो सींग आळो बैल मत ले ल्यो, अर ना ही किणी धूर्त आदमी सूं दोस्ती करो अर ना ही कोई झगड़ालू दास अर ना ही कोई चोर नौकरानी ले ल्यो, जिणरै वास्तै थै कांई करो हो। बांनै वे बर्बाद कर देला।
26 हे म्हारा बेटा! थारा माता-पिता थानै सराप मत दे अर प्रभु बां सूं राजी हुवै; क्यूंकै कैयो गयो है, "जो कोई आपरै पिता या माता रो तिरस्कार करै है, वो मौत नै मर जावै है (म्हारो मतलब है पाप री मौत) अर जो आपरै माता-पिता रो आदर करै है, वो आपरा दिन अर आपरी उमर नै लांबो कर देला अर वो सगळो भलो देखसी।" "
27 हे म्हारा बेटा! बिना हथियार रै सड़क माथै मत चालणो, क्यूंकै थनै ठा नीं है कै दुश्मन थारै सूं कद मिलसी, जिणसूं थूं उणरै वास्तै त्यार रैय सकै।
28 हे म्हारा बेटा! एक नंगा, बिना पातदार पेड़ री तरै मत बणो, जिको नीं उगै, पण एक पेड़ री तरै बणो जिणरै पत्तां अर टहनियां सूं ढक्योड़ो होवै; क्यूंकै जिण मिनख री ना तो लुगाई है अर ना ही टाबर है, बो दुनियां मांय बेइज्जती करै है अर लोगां रै सामी उणसूं घृणा हुवै है, जियां कोई बिना पात अर फलहीन पेड़।
29 हे म्हारा बेटा! सड़क रै कांठै पड़्योड़ा फलदार पेड़ री तरै बणो, जिणरा फल सगळा लोग खावै है अर रेगिस्तान रा जानवर उणरी छाया रै तळै आराम करै है अर उणरै पानां नै खावै है।
30 हे म्हारा बेटा! हरेक भेड़ जिकी आपरै मारग सूं भटक जावै है अर बां रा साथी भेड़िया रै वास्तै भोजन बण जावै है।
31 हे म्हारा बेटा! मत कैवो, "म्हारो स्वामी मूरख है अर म्हैं ज्ञानी हूं," अर अज्ञानता अर मूर्खता री बात मत बताओ, नींतर थानै उणरै द्वारा तिरस्कार नीं कर दियो जावै।
32 हे म्हारा बेटा! वां नौकरां मांय सूं एक मत बणो, जिणनै वां रा मालिक कैवै, "म्हारै सूं दूर जावो," पण वां नौकरां मांय सूं एक बणो जिकां नै कैवै, "म्हारै कनै आवो अर म्हारै कनै आवो।"
33 हे म्हारा बेटा! आपरै साथी रै साम्हीं आपरै दास नै दुलार मत करो, क्यूंकै थनै ठा नीं है कै बां मांय सूं कुणसो आखर मांय थारै वास्तै घणो मोल रो होसी।
34 हे म्हारा बेटा! थानै बणाबा आळा थारा प्रभु सूं मत डरो, नींतर वो थारै साम्हीं चुप नीं रैय जावैला।
35 हे म्हारा बेटा! आपरी बात नै चोखी बणाओ अर आपरी जीभ नै मीठी बणाओ; अर थारै साथी नै थारै पगां माथै रौंदण मत देवो, नींतर बो दूजी बार थारै छाती माथै रौंद नीं देवै।
36 हे म्हारा बेटा! जे थै किणी ज्ञानी आदमी नै ज्ञान री बात सूं मारोला तो बो उणरै छाती रै मांय लाज री सूक्ष्म भावना री तरै लुक जावैला; पण जे थै अज्ञानी नै लाठी सूं मारोला तो वो न तो समझैला अर न ही सुणैला।
37 हे म्हारा बेटा! जे थैं थारी जरूरतां रै वास्तै कोई ज्ञानी आदमी भेजोला तो उणनै घणा हुकम मत देवो, क्यूंकै वो थारो काम थारी इच्छा रै मुजब करसी। अर जे थैं कोई मूरख नै भेजोला तो उणनै हुकम मत देवो, पण खुद जावो अर आपरो काम करो, क्यूंकै जे थैं उणनै हुकम दे, वो थारी इच्छा कोनी करैला। जे वे थानै काम माथै भेजै है तो जल्दी सूं उणनै पूरा करण री जल्दी करो।
38 हे म्हारा बेटा! खुद सूं ज्यादा ताकतवर आदमी रो दुश्मन मत बणाओ, क्यूंकै वो थारो नाप लेसी अर थारै सूं आपरो बदलो लेसी।
39 हे म्हारा बेटा! आपरा सामान बांनै सौंपबा सूं पैली आपरै बेटै अर आपरै सेवक री परख कर लेवो, नींतर बै बांनै छुड़ा लेवै। क्यूंकै जिण रो हाथ भर्योड़ो है बो ज्ञानी कैयो जावै है, भलांई बो मूरख अर अज्ञानी हुवै अर जिण रो हाथ खाली है बो गरीब अर अज्ञानी कैयो जावै है, भलांई बो ऋषियां रो राजकुमार हुवै।
40 हे म्हारा बेटा! मैं एक कोलोसिंथ खायो है, अर मुसब्बर निगल लियो है, अर मन्नै गरीबी अर कमी सूं ज्यादा कड़वो कीं कोनी मिल्यो।
41 हे म्हारा बेटा! आपरै बेटै नै मितव्ययिता अर भूखमरी सिखाओ, ताकि वो आपरै घर री व्यवस्था में आच्छो काम कर सकै।
42 हे म्हारा बेटा! अणजाण नै ज्ञानी लोगां री भाषा मत सिखाओ, क्यूंकै बां माथै बोझ पड़सी।
43 हे म्हारा बेटा! आपरै दोस्त नै आपरी हालत मत बताओ, नींतर वो थानै तिरस्कार नीं कर देवै।
44 हे म्हारा बेटा! काळजै री अंधापणै आंख्यां रै अंधापणै सूं बेसी दुखद है, क्यूंकै आंख्यां री अंधापणै नै थोड़ो-थोड़ो मार्गदर्शन करियो जा सकै है, पण काळजै री अंधापणै नै मार्गदर्शन नीं मिलै, अर बो सीधो मारग छोड'र टेढ़ी मारग माथै जावै है। गेलो।
45 हे म्हारा बेटा! मिनख रो पग ठोकर खाणो जीभ सूं ठोकर खाबा सूं चोखो है।
46 हे म्हारा बेटा! दूर रै चोखा भाई सूं चोखो है जिको नजीक है।
47 हे म्हारा बेटा! सुंदरता फीकी पड़ जावै है पण सीख तो रैवै है अर दुनियां फीकी पड़ जावै है अर व्यर्थ हुय जावै है, पण एक आछो नाम न तो व्यर्थ हुवै है अर न ही फीको पड़ै है।
48 हे म्हारा बेटा! जिण मिनख नै आराम कोनी है, उणरी मौत उणरी जान सूं भी चोखी ही; अर रोबा री आवाज गाबा री आवाज सूं चोखी है; क्यूंकै दुख अर रोवणो, जे बां मांय भगवान रो डर है, तो गावण अर आनंद री आवाजां सूं चोखो है।
49 हे म्हारा टाबर! थारै हाथ मांय मेंढक री जांघ थारै पड़ोसी रै बर्तन मांय हांस सूं चोखी है; अर थारै कनै री भेड़ दूर रै बैल सूं चोखी है। अर थारै हाथ मांय एक गौरैया उड़ती हजार गौरैया सूं चोखी है। अर गरीबी जिकी भेळी हुवै है, वा घणी सारी चीजां नै बिखेरबा सूं चोखी है; अर जीवती लोमड़ी मरेड़ा शेर सूं चोखी है। अर एक पौंड ऊन एक पौंड धन सूं चोखो है, म्हारो मतलब सोना अर चांदी सूं है; क्यूंकै सोनो अर चांदी धरती रै मांय लुक्योड़ा अर ढक्या है अर नीं दीखै। पण ऊन तो बजारां मांय ई रैवै अर देख्यो जावै अर ओ पैरण आळा रै वास्तै ओ एक सौंदर्य है।
50 हे म्हारा बेटा! बिखरियोड़ा भाग्य सूं छोटो सो भाग्य चोखो है।

51 हे म्हारा बेटा! एक जीवतो कुत्तो एक मरेड़ा गरीब आदमी सूं चोखो है।
52 हे म्हारा बेटा! एक गरीब आदमी जको सही काम करै है वो एक अमीर आदमी सूं चोखो है जको पापां रै मांय मरियोड़ो है।
53 हे म्हारा बेटा! एक बात आपरै हिवड़ै मांय राखो, अर बो थारै वास्तै घणो काम आवैला, अर सावधान रैवो, थै थारै दोस्त रो राज नीं बताओला।
54 हे म्हारा बेटा! जद तांई थै आपरै मन सूं विचार नीं कर लेवोला, आपरै मुंडै सूं एक भी सबद नीं निकळै। अर झगड़ा करता थका लोगां रै बिचाळै मत खड़्या रैवो, क्यूंकै एक बुरी बात सूं झगड़ो हुवै है, अर झगड़ा सूं युद्ध हुवै है अर युद्ध सूं लड़ाई हुवै है, अर थनै गवाह बणबा नै मजबूर कर दियो जावैला; पण बठै सूं भाग जा अर आराम कर।
55 हे म्हारा बेटा! खुद सूं ताकतवर आदमी रो सामनो मत करो, पण थारै वास्तै एक धीरज, सहनशीलता अर सीधो आचरण प्राप्त करो, क्यूंकै इणसूं बत्तो चोखो और कीं कोनी है।
56 हे म्हारा बेटा! आपरै पैला दोस्त सूं नफरत मत करो, क्यूंकै दूजो दोस्त टिक नीं सकै।
57 हे म्हारा बेटा! गरीबां नै बां री तकलीफ रै मांय देखणो अर सुल्तान रै साम्हीं बां री बात करणी अर बां नै शेर रै मुंडै सूं बचाबा री पूरी कोसिस करणी।
58 हे म्हारा बेटा! आपरै दुसमण री मौत माथै राजी मत हो, क्यूंकै थोड़ी ताळ पछै थूं उणरो पड़ोसी बण जावैला अर जिको थारो मजाक उड़ावैला उणनै थूं आदर अर आदर करैला अर उणरै सागै नमस्कार करैला।
59 हे म्हारा बेटा! जे पाणी स्वर्ग रै मांय खड़्यो रैय जावैला अर एक काळो कागलो गोरो हुय जावैला अर गंधक शहद री तरै मीठो हुय जावैला तो अज्ञानी अर मूरख लोग समझ सकैला अर ज्ञानी बण जावैला।
60 हे म्हारा बेटा! जे थूं ज्ञानी होणो चावै है तो आपरी जीभ नै झूठ बोलण सूं, आपरा हाथ नै चोरी करण सूं अर आपरी आंख्यां नै बुराई नै देखण सूं रोक ले। फेर थनै ज्ञानी कैयो जावैला।
61 हे म्हारा बेटा! ज्ञानी थानै लाठी सूं मार देवै, पण मूरख थानै मीठा मरहम सूं अभिषेक नीं करै। जवानी रै मांय विनम्र रैवो अर बुढ़ापा रै मांय भी थारी इज्जत होसी।
62 हे म्हारा बेटा! जद कोई आदमी उणरी शक्ति रै दिनां मांय नीं लड़ै अर नीं ई किणी नदी रै बाढ़ रै दिनां मांय।
63 हे म्हारा बेटा! लुगाई रै ब्याव में जल्दबाजी मत करो, क्यूंकै जे ओ चोखो हुवै तो वा कैवैला, 'म्हारा स्वामी, म्हारै वास्तै व्यवस्था करो'; अर जे ओ बीमार साबित हुवैला तो वा उण नै रेट करैला जिको इण रो कारण हो।
64 हे म्हारा बेटा! जो भी आपरी भेषभूषा में भव्य है, वो आपरी बोली में भी वौ ई है; अर जिको आपरै भेषभूषा में नीच दीखै है, बो भी आपरी बात में समान है।
65 हे म्हारा बेटा! जे थूं चोरी करी है तो सुल्तान नै बताओ अर उणनै उण मांय सूं एक हिस्सो दे दो, जिणसूं थूं उणसूं छुटकारा पा सकै, क्यूंकै नींतर थूं कड़वाहट सहन करसी।
66 हे म्हारा बेटा! जिण आदमी रो हाथ तृप्त अर भर्योड़ो है, उणनै दोस्त बणाओ अर जिण आदमी रो हाथ बंद अर भूखो है, उणनै कोई दोस्त नीं बणाओ।
67 चार चीजां है जिण मांय न तो राजा अर न ही उणरी सेना सुरक्षित रैय सकै है: वजीर रो अत्याचार, अर बुरी सरकार, अर इच्छा री विकृति अर प्रजा माथै अत्याचार; अर च्यार चीजां जिकी छुपाई कोनी जा सकै: समझदार, अर मूरख, अर अमीर अर गरीब।'

अध्याय 3

अहिकर राज्य रै कामकाज मांय सक्रिय भागीदारी सूं सेवानिवृत्त हुया। वो आपरी चीजां नै आपरै विश्वासघाती भतीजे नै सौंप देवै है। अठै एक अद्भुत कहाणी है कै किण भांत एक कृतघ्न फूहड़ जाली बण जावै है। अहिकर नै उलझाबा री एक चतुर साजिश रै परिणामस्वरूप उणनै मौत री सजा सुणाई जावै है। जाहिर तौर माथै अहिकर रो अंत।
1 हैकर इण भांत बोल्यो अर जद बो आपरी बैन रै बेटै नादान नै आ हुकम अर कहावतां पूरी कर दी तो बो सोच्यो कै बो बां सगळां नै राख लेसी अर बो नीं जाणतो हो कै इणरै बजाय बो उणनै थकावट अर तिरस्कार अर मजाक दिखा रैयो है।
2 इणरै बाद हैकर आपरै घरां बैठ्यो रैयो अर नादान नै आपरो सगळो सामान, दास, नौकरानी, घोड़ा, माल-मवेशी अर बाकी सगळी चीजां सूंप दी। अर बोली लगाबा अर मना करण री ताकत नादान रै हाथां मांय ही रैयी।
3 हैकर आपरै घरां आराम सूं बैठ्यो हो अर बीच-बीच में हैकर राजा नै नमन करतो हो अर घरां पाछो जातो हो।
4 अबै जद नादान नै ठाह लाग्यो कै बोलण अर मना करण री ताकत उणरै हाथ मांय है, तो बो हैकर रै पद नै तिरस्कार करियो अर उणरी मजाक उड़ाई अर जद भी बो प्रकट हुयो तो उणनै दोषी ठहरायो अर कैयो, 'म्हारो काको हैकार उणरी कब्जा मांय है। अर अबै बो कीं नीं जाणै।'
5 अर बो दास अर नौकरानी नै मारबा लागग्यो अर घोड़ां अर ऊंटां नै बेचण लागग्यो अर आपरै काकै हैकर री सगळी चीजां नै खर्च करण लागग्यो।
6 अर जद हैकर देख्यो कै उणनै आपरै नौकरां अर आपरै घरवाळां माथै कोई दया कोनी है तो बो उठ्यो अर उणनै आपरै घर सूं भगा दियो अर राजा नै बताबा नै भेज दियो कै बो आपरी सम्पति अर आपरी चीजां नै बिखेर दियो है।
7 अर राजा उठ्यो अर नादान नै बुलायो अर उणनै कैयो- 'जद तांई हैकर ठीक रैसी, कोई भी उणरी माल-मत्ता माथै, उणरै घर-परिवार माथै अर उणरी सम्पति माथै राज नीं करैला।'
8 अर नादान रो हाथ आपरै काकै हैकर अर आपरै सगळै सामान सूं हटग्यो अर इण बीचै बो न तो मांय गयो अर न बारै गयो अर नीं ई बांनै नमस्कार करियो।
9 इणरै बाद हैकर आपरी बैन रै बेटै नादान रै साथै आपरी मेहनत सूं पश्चाताप करियो अर बो घणो दुखी रैयो।
10अर नादान रो एक छोटो भाई हो जिणरो नांव बेनुजारदन हो, सो हैकर उणनै नादान री जगां आपरै कनै ले लियो अर उणनै घणी आदर सूं पाळ-पोस'र आदर दियो। अर बो बिनै आपणी सगळी सम्पत्तियां सूंप दी अर बिनै आपरै घर रो हाकिम बणायो।
11अबै जद नादान नै ठाह लाग्यो कै कांई हुयो है तो उणनै ईर्ष्या अर ईर्ष्या री भावना फैलगी अर बो आपरै काकै हैकर नै

मजाक उड़ावण लाग्यो अर बो आपरै काकै हैकर नै मजाक उड़ावण लागग्यो। म्हारो भाई म्हारै वास्तै, पण जे सर्वोच्च परमेश्बर म्हानै शक्ति देवैला तो म्हैं उणरै माथै मारणै री दुर्भाग्य ल्याऊंला।'

12 अर नादान सोचतो रैयो कै बो आपरै वास्तै कांई ठोकर खा सकै। थोड़ी ताळ पछै नादान आपरै मन मांय ओ विचार करियो अर फारस रै राजा ज्ञानी शाह रै बेटै आकीश नै एक चिट्ठी लिखी।

13 'हे महान राजा, अश्शूर अर नीनवे रा राजा सन्नहेरिब अर उणरै वजीर अर उणरै सेवक हैकर सूं थानै शांति अर स्वास्थ्य अर सामरथ अर सम्मान मिलै। थारै अर म्हारै बिचाळै पेंस होवै।

14 अर जद यो चिट्ठी थारै कनै पूगैला, जद थूं उठैला अर निसरीन रै मैदान अर अश्शूर अर नीनवे रै मांय जावैला, तो म्हैं थानै बिना युद्ध अर बिना युद्ध रै राज्य सौंप दूंला।'

15 अर मिस्र रै राजा फिरौन नै हैकार रै नाम सूं एक और चिट्ठी भी लिखी। 'हे पराक्रमी राजा, थारै अर म्हारै बिचाळै मेल-मिलाप होवै।

16अगर यो चिट्ठी थारै कनै पूगबा रै बगत थूं उठैला अर अश्शूर अर नीनवे रै मांय निसरीन रै मैदान रै मांय जावैला तो म्हैं थानै बिना युद्ध अर बिना लड़ाई रै राज सौंप दूंला।'

17 अर नादान री लिखावट उणरै काकै हैकर री लिखावट री तरै ही।

18 फेर उण दो चिट्ठियां नै मोड़'र आपरै काकै हैकर री मोहर लगाई। फेर भी वे राजा रै महल मांय हा।

19 फेर वो जा'र राजा सूं आपरै काकै हैकर नै एक चिट्ठी लिखी- 'म्हारै वजीर, म्हारै सचिव, म्हारै कुलपति हैकर नै शांति अर स्वास्थ्य।

20हे हैकर, जद यो चिट्ठी थारै कनै पूगैला, तो थारै सागै सगळा सैनिकां नै एकठ कर लेवो अर बांनै कपड़ा अर गिणती में सिद्ध बणाओ अर बांनै पांचवें दिन निसरीन रै मैदान में म्हारै कनै ल्याओ।

21 अर जद थूं म्हनै थारै कनै आतो देखैला तो जल्दबाजी कर अर सेना नै म्हारै खिलाफ एक दुश्मन री तरै आगे बढ़ा दे जिको म्हारै सागै लड़णो चावै है, क्यूंकै म्हारै कनै मिस्र रै राजा फिरौन रा दूत है, जिणसूं वे म्हारी ताकत नै देख सकै सेना अर म्हारै सूं डर सकै है, क्यूंकै वे म्हारै दुश्मन है अर वे म्हारै सूं नफरत करै है।'

22 फेर उण चिट्ठी माथै मोहर लगाई अर राजा रै एक नौकर रै जरिये हैकार नै भेज दियो। अर बो दूजो चिट्ठी जिणनै बो लिख्यो हो बो लेयग्यो अर राजा रै साम्हीं फैला दियो अर बांनै बांच्यो अर बांनै मोहर दिखाई।

23 अर जद राजा चिट्ठी मांय कांई लिख्योड़ो है तो बो घणो अचंभित हुयो अर घणो क्रोध सूं क्रोधित हुयो अर बोल्यो, 'अरे, म्हैं आपरी बुद्धि दिखाई है। मैं हैकर रै साथै कांई करियो है कै बो म्हारै दुसमणां नै अै चिट्ठियां लिखी है? कांई ओ म्हारो उणसूं म्हारै फायदा रो बदलो है?'

24 अर नादान बिकाऊँ बोल्यो, हे राजा, दुखी मत हो। न ही रीस करो, पण आपां निसरीन रै मैदान मांय जावां अर देखां कै आ कहाणी साची है के नीं।'

25 पांचवें दिन नादान उठ्यो अर राजा अर सैनिक अर वजीर नै लेय'र निसरीन रै मैदान रै रेगिस्तान रै मांय गयो। अर राजा देख्यो अर देख्यो! हैकर अर सेना नै तालमेल बैठायो गयो।

26अर जद हैकर देख्यो कै राजा उठै है तो बो आपरै कनै पूग्यो अर सेना नै इशारो करियो कै वे युद्ध री तरै चालै अर राजा रै खिलाफ तालमेल बणाय जावै जियां कै चिट्ठी मांय बतायो गयो हो, बो नीं जाणतो हो कै नादान उणरै वास्तै कांई गड्ढो खोद्यो है। .

27 अर जद राजा हैकर री हरकत नै देख्यो तो बो घबरा गयो अर घबरा गयो अर बो घणो गुस्सो करग्यो।

28 अर नादान उणसूं बोल्यो, "हे म्हारा स्वामी राजा, कांई थूं देख्यो है? इण बदमाश कांई कर्यो है? पण थूं रीस मत कर अर दुखी मत अर दुखी मत, पण थारै घरां जा अर थारै सिंहासन माथै बैठ जा, अर म्हैं हैकर नै जंजीर सूं बांध'र थारै कनै ल्याऊंला अर थारै दुसमण नै थारै सूं बिना किणी मेहनत रै भगा दूंला।'

29 अर राजा हैकर रै बारै में नाराज हो'र आपरै सिंहासन माथै पाछो आयो अर उणरै बाबत कीं नीं करियो। अर नादान हैकार रै कनै गयो अर उणसूं बोल्यो, 'वल्लाह, हे म्हारा काका! राजा थारै माथै घणी खुशी सूं राजी है अर थानै धन्यवाद देवै है कै थै वांरी आज्ञावां नै पूरी करी।

30 अर अबै बो म्हनैं थारै कनै भेज्यो है कै थूं सिपाहियां नैं बां रै काम माथै भेजै अर आपरै हाथां नैं पाछै बांध'र अर पगां नैं जंजीर सूं बांध'र खुद ई उणरै कनै आ जावै, जिणसूं फिरौन रा दूत आ बात देख सकै अर राजा बां अर बां रै राजा सूं डरपोक।'

31 फेर हैकर जवाब दियो अर कह्यो, 'सुणणो मानणो है।' अर बो झट उठ्यो अर आपरा हाथां नै पाछै बांध दियो अर आपरा पगां नै जंजीर सूं बांध दियो।

32 अर नादान उणनै लेयर राजा कनै गयो। अर जद हैकर राजा रै साम्हीं आयो तो बो जमीन माथै उणरै साम्हीं प्रणाम करियो अर राजा नै सत्ता अर सदा रै जीवन री कामना करी।

33 फेर राजा बोल्यो, 'हे हैकर, म्हारा सचिव, म्हारा कामकाज रा गवर्नर, म्हारा चांसलर, म्हारा राज्य रा शासक, म्हनै बताओ कै म्हैं थारै सागै कांई बुराई करी है जिणसूं थूं म्हनै इण भद्दा काम सूं इनाम दियो।'

34 फेर बे उणनै उणरी मोहर अर लिख्योड़ा चिट्ठियां दिखाई। अर जद हैकर आ देख्यो तो बां रा अंग कांपण लाग्या अर बां री जीभ एकै साथै बंधगी अर डर सूं बो एक भी सबद नीं बोल सक्यो; पण बो आपरो माथो धरती कानी झुकायो अर गूंग होग्यो।

35 अर जद राजा आ देख्यो तो उणनै पक्को लाग्यो कै आ बात उणरै कनै सूं ही है, अर बो झट उठ्यो अर हैकर नै मारबा अर नगर रै बारै तलवार सूं उणरी गर्दन मारण रो हुकम दियो।

36 फेर नादन चिल्लायो अर बोल्यो, 'हे हैकर, हे काळा चेहरा! राजा रै सागै इण काम नै करण में थारी ध्यान अर थारी शक्ति रो कांई फायदो है?'

37 इण भांत कथाकार कैवै। अर तलवारबाज रो नाम अबू समिक हो। अर राजा उणसूं बोल्यो, 'हे तलवारबाज! उठो, जावो, हैकार री गर्दन नै उणरै घर रै दरवाजै माथै काट दो अर उणरै शरीर सूं सौ हाथ दूर उणरो सिर हटाओ।'

38 फेर हैकर राजा रै साम्हीं घुटना टेक'र बोल्यो, 'म्हारो स्वामी राजा सदा जीवतो रैवै। अर जे थूं म्हनै मारणो चावै है तो थारी इच्छा पूरी हो जावै; अर म्हैं जाणूं हूं कै म्हैं दोषी कोनी, पण दुष्ट आदमी आपरी बुराई रो हिसाब देणो चावै है; फेर भी, हे म्हारा स्वामी राजा! मैं थारै सूं अर थारी दोस्ती सूं अरज करूं कै तलवारबाज नै म्हारो शरीर म्हारै दासां नै देबा री इजाजत देवो, ताकि वे म्हनै दफना सकै अर थारो दास थारो बलिदान होवै।'
39 राजा उठ्यो अर तलवारबाज नै हुकम दियो कै वो उणरै साथै आपरी इच्छा मुजब करै।
40 अर उणनै तुरंत आपरै नौकरां नै हुकम दियो कै हैकर अर तलवारबाज नै पकड़'र उणरै साथै नंग-धड़ंग जावो ताकि वे उणनै मार सकै।
41 अर जद हैकर नै पक्को ठाह लाग्यो कै उणनै मार दियो जावैला तो बो आपरी घरआळी नै भेज्यो अर उणनै कैयो, 'बाहर आ अर म्हारै सूं मिलणो अर थारै सागै एक हजार जवान कुंवारी छोरियां होणी चाइजै अर बांनै बैंगनी रंग रा कपड़ा पैराओ। रेशम ताकि वे म्हारी मौत सूं पैली म्हारै वास्तै रो सकै।
42 अर तलवारबाज अर उणरै नौकरां रै वास्तै एक मेज त्यार करो। अर घणी सारी दारू मिलाओ, जिणसूं वे पी सकै।'
43 अर वा सगळी बातां करी जकी बो बांनै कैयो हो। अर वा घणी समझदार, चतुर अर समझदार ही। अर वा हर संभव शिष्टाचार अर सीख नै एकजुट कर दी।
44 अर जद राजा री सेना अर तलवारबाज पूग्या तो बांनै टेबल अर दारू अर शानदार भोजन री व्यवस्था मिली अर बै खावण-पीवण लाग्या जद तांई कै बै नशा में नीं पड़ग्या।
45फेर हैकर तलवारबाज नै दल सूं अलग कर'र बोल्यो, 'हे अबू समीक, कांई थूं नीं जाणै है कै जद राजा सरहदुम, सन्हेरिब रो पिता, थानै मारणो चावतो हो, तो म्हैं थानै पकड़'र एक जगां माथै लुकाय दियो जद तांई कै राजा रो गुस्सो कम हुयो अर बो थानै मांग्यो?
46 अर जद म्हैं थानै उणरै सामी ल्यायो तो बो थारै माथै घणो राजी हुयो अर अबै म्हैं थारै माथै कित्ती मेहरबानी करी, बां नै याद कर।
47 अर म्हूं जाणूं हूं कै राजा म्हारै माथै पछतावैला अर म्हारै फांसी माथै घणो रीस करैला।
48क्यूंकै म्हैं दोषी कोनी, अर जद थूं म्हनैं उणरै महल मांय उणरै साम्हीं राखसी, तद थूं घणी सौभाग्य सूं मिलसी अर जाणसी कै म्हारी बैन रै बेटै नादान म्हनैं धोखो दियो है अर म्हारै सागै ओ बुरो काम कर्यो है, अर राजा म्हनै मारण माथै पश्चाताप करेला; अर अबार म्हारै घर रै बगीचै मांय एक तहखाना है, अर इण बाबत कोई नीं जाणै।
49 म्हारी घरआळी रै ज्ञान रै साथै म्हनै इण मांय लुकाय दे। अर म्हारै कनै जेळ मांय एक दास है जिको मारणै रो हकदार है।
50 उणनै बारै ल्याओ अर उणनै म्हारा कपड़ा पैराओ अर नौकरां नै हुकम दो कै जद वे नशा करैला तो उणनै मार देवै। वे नीं जाणैला कै वे किण नै मार रैया है।
51 अर बिको सिर उणरै शरीर सूं सौ हाथ दूर फेंक दो अर उणरी लास नै म्हारै दासां नै दे दो ताकि वे उणनै दफनावै। अर थूं म्हारै सागै घणो खजानो राखैला।
52 अर फेर तलवारबाज हैकर रै हुकम मुजब करियो अर राजा रै कनै गयो अर उणनै कैयो, 'थारो माथो सदा जीवतो रैवै।'
53फेर हैकर री घरआळी हर हफ्तै उणनै लुकबा री जगां माथै उतार देती ही, अर उणरै अलावा कोई भी इण बाबत नीं जाणतो हो।
54 अर आ कथा सुणीजी अर दोहराई गई अर हरेक जगां फैलगी कै किण भांत हैकर ऋषि नै मार दियो गयो अर मरग्यो, अर उण नगर रा सगळा लोग उणरै वास्तै शोक मनायो।
55 अर वे रोया अर बोल्या, 'हे हैकर! अर थारी सीख अर शिष्टाचार रै वास्तै! थारै अर थारै ज्ञान रै बारै में कितरो दुख है! थारै जैड़ो दूजो कठै मिल सकै है? अर इतरो समझदार, इतरो विद्वान, शासन करण में इतरो कुशल आदमी कठै हो सकै है कै वो थारै जिसो हो सकै अर थारी जगां नै भर सकै?'
56 पण राजा हैकर रै बारै में पश्चाताप कर रैयो हो अर उणरै पश्चाताप सूं उणनै कोई फायदो नीं हुयो।
57फेर उण नादान नै बुलायो अर उणनै कैयो, 'जा अर आपरा दोस्तां नै आपरै सागै ले जावो अर आपरै काकै हैकर रै वास्तै शोक अर विलाप करो अर उणरी याद में आदर करता थका उणरै वास्तै विलाप करो।'
58 पण जद नादान, मूरख, अज्ञानी अर कठोर दिल, आपरै काकै रै घरै गयो तो बो न तो रोयो अर न ही दुखी अर न ही रोयो, पण बो निरदुर अर व्यभिचारी लोगां नै भेळा कर'र खावण-पीवण लागग्यो।
59अर नादान हैकर री नौकरानी अर दासियां नै पकड़बा लाग्यो अर बांनै बांध दियो अर सताया अर बांनै घणी जोर सूं मारबा लाग्यो।
60 अर बो आपरै काकै री घरआळी रो आदर नीं करियो, जिकी उणनै आपरै छोरै री तरै पाळ्यो हो, पण चावती ही कै वा उणरै सागै पाप मांय पड़ जावै।
61 पण हैकर नै लुकबा री जगां माथै काट दियो गयो हो, अर बो आपरै दास अर पड़ोसियां री रोवण री आवाज सुणी अर बो सर्वोच्च परमेश्बर अर दयालु री स्तुति करतो हो अर धन्यवाद करतो हो अर बो सदा परमेश्बर सूं प्रार्थना करतो हो अर विनती करतो हो। .
62 अर तलवारबाज बगत-बगत माथै हैकर रै कनै आतो हो जद बो लुकबा री जगां रै मांय हो अर हैकर उणनै आतो अर उणनै अरज करतो हो। अर बो उणनै दिलासा दियो अर उणनै मुक्ति री कामना करी।
63अर जद दूजा देशां मांय आ कथा सुणीजी कै हैकार ऋषि नै मार दियो गयो है, तो सगळा राजा दुखी हुया अर राजा सेनहेरीब नै तिरस्कार करियो अर पहेलियां सुलझाबाळा हैकार माथै विलाप करियो।

अध्याय 4

"स्फिंक्स री पहेलियां।" अहिकर रै साथै असल मांय कांई हुयो। उणरी वापसी।

1 अर जद मिस्र रा राजा पक्को कर लियो कै हैकार नै मार दियो गयो है, तो बो तुरंत उठ्यो अर राजा सेनहेरिब नै एक चिट्ठी लिखी, जिणमें उणनै याद दिरायो गयो कै 'आपरै वास्तै

म्हे खास तौर सूं चावां हां, शान्ति अर स्वास्थ्य अर ताकत अर सम्मान री बात। म्हारो लाडलो भाई, राजा सन्नहेरिब।
2 म्हैं आकास अर धरती रै बिचाळै एक महल बणाबा री इच्छा राखूं हूं, अर म्हैं चावूं हूं कै थूं म्हारै वास्तै एक ज्ञानी अर चतुर आदमी भेजै जिको म्हारै वास्तै ओ महल बणावै अर म्हारै सगळा सवालां रा जवाब देवै अर म्हारै कनै कर अर तीन साल तांई अश्शूर री सीमा शुल्क।'
3 फेर बो चिट्ठी पै मोहर लगार सनहेरीब नै भेज दी।
4 बो इणनै लेय'र बांच'र आपरै वजीरां अर आपरै राज रै रईसां नै दे दियो, अर वै अचंभित अर शर्मिंदा हुयग्या अर बो घणो गुस्सा सूं क्रोधित हुयो अर अचरज में पड़ग्यो कै बो कियां काम करैला।
5 फेर बो बूढा-बडेरां नै, विद्वानां नै, ज्ञानियां नै, दार्शनिकां नै, भविष्यवक्तावां नै, ज्योतिषियां नै अर आपरै देस रै सगळा लोगां नै भेळा करिया अर बां नै चिट्ठी बांच'र बां सूं कैयो, 'थारै मांय सूं कुण चावैला। मिस्र रा राजा फिरौन कनै जावो अर बां रा सवालां रा जवाब देवो?'
6 अर बे उणसूं कह्यो, 'हे म्हारा स्वामी राजा! थनै ठाह है कै थारै राज्य रै मांय थारा वजीर अर सचिव हैकर रै अलावा कोई भी इण सवालां सूं परिचित कोनी है।
7 पण म्हांनै इण काम मांय कोई कुशलता कोनी, जद तांई कै बो नादान नीं हुवै, जको उणरी बैन रो बेटो है, क्यूंकै बो उणनै आपरी सगळी बुद्धि अर ज्ञान अर ज्ञान सिखायो। उणनै थारै कनै बुलाओ, हो सकै है कै वो इण कठोर गांठ नै खोल सकै।'
8 जणा राजा नादान नै बुलायो अर बोल्यो, "इण चिट्ठी नै देख अर समझो कै इण मांय कांई है।" अर जद नादन बांच्यो तो बो बोल्यो, 'हे स्वामी! कुण आकास अर धरती रै बिचाळै एक महल बणा सकै है?'
9 अर जद राजा नादान री बात सुणी तो बो घणो दुखी हुयो अर बो आपरै सिंहासन सूं उतरग्यो अर राख रै मांय बैठग्यो अर हैकर माथै रोवण लागग्यो।
10 बो बोल्यो, 'हे म्हारो दुख! हे हैकर, जिणनै राज अर पहेलियां री जाणकारी ही! हे हैकार, थारै वास्तै म्हनै हाय है! हे म्हारै देस रा गुरु अर म्हारै राज रा हाकम, म्हैं थारै जिसा कठै पाऊंला? हे हैकर, हे म्हारा देस रा गुरु, मैं थारै वास्तै कठै जाऊं? थारै वास्तै म्हनै हाय है! म्हैं थानै कियां नाश कर दियो! अर मैं एक मूरख, अज्ञानी छोरै री बातां सुणी, जिणरै बिना ज्ञान, बिना धर्म, बिना मर्दानगी।
11 आह! अर फेरूं आह खुद रै वास्तै! कुण थानै म्हनै एक बार रै वास्तै दे सकै है, या म्हनै खबर दे सकै है कै हैकर जीवतो है? अर म्हैं उणनै आपरो आधो राज दे दूंला।
12 यो म्हारै वास्तै कठै सूं आयो? आह, हैकर! ताकि मैं थानै एक बार देख सकूं, ताकि मैं थानै देखर अर थारै माथै आनंद ले सकूं।
13 आह! हे थारै वास्तै म्हारो हर बगत रो दुख! हे हैकर, म्हैं थानै कियां मार दियो! अर जद तांई म्हैं बात रो अंत नीं देख लियो, म्हैं थारै मामला मांय नीं रुक्यो।'
14 अर राजा रात-दिन रोतो रैयो। अबै जद तलवारबाज राजा रो क्रोध अर हैकर रै प्रति दुख देख्यो तो उणरो मन उणरै प्रति नरम पड़ग्यो, अर बो उणरै साम्हीं आयो अर उणनै बोल्यो।
15 'हे म्हारा स्वामी! आपरै सेवकां नै हुकम दे कै वै म्हारो माथो काट देवै।' फेर राजा उणसूं कह्यो- 'हाय थारै माथै, अबू समिक, थारो कांई दोष है?'
16 अर तलवारबाज उणसूं बोल्यो, हे म्हारा स्वामी! हरेक दास जिको आपरै स्वामी री बात रै खिलाफ काम करै है, उणनै मार दियो जावै है अर म्हैं थारै हुकम रै खिलाफ काम करियो है।'
17 फेर राजा उणनै कह्यो। 'हाय थारै माथै, हे अबू समीक, थूं म्हारै हुकम रै खिलाफ कांई काम करियो है?'
18 अर तलवारबाज उणसूं बोल्यो, हे म्हारा स्वामी! थूं म्हनै हैकर नै मारण रो हुकम दियो हो, अर म्हैं जाणतो हो कै थूं उणरै वास्तै पछतावैला अर उणरै साथै अन्याय हुयो है, अर म्हैं उणनै एक खास जगां माथै लुकाय दियो हो, अर म्हैं उणरै एक दास नै मार दियो हो, अर बो अबै सुरक्षित है। टंकी, अर जे थूं म्हानै हुकम देवैला तो म्हैं उणनै थारै कनै ल्याऊंला।'
19 अर राजा उणनै बोल्यो। 'हे अबू समीक, थारै माथै हाय! थूं म्हारो मजाक उड़ायो है अर म्हैं थारो स्वामी हूं।'
20 अर तलवारबाज उणनै बोल्यो, 'नीं, पण थारै सिर री जान री कसम है, हे म्हारा स्वामी! हैकार सुरक्षित अर जीवतो है।'
21 अर जद राजा आ बात सुणी तो उणनै बात रो पक्को पतियारो हुयो अर उणरो माथो तैरग्यो अर बो खुशी सूं बेहोश होग्यो अर उणनै हैकर ल्याबा रो हुकम दियो।
22 अर बो तलवारबाज सूं बोल्यो, हे भरोसेमंद सेवक! जे थारी बात साची है तो म्हैं थानै अमीर बणाऊंला अर थारी इज्जत नै थारै सगळा दोस्तां सूं ऊपर उठाऊंला।'
23 अर तलवारबाज हैकर रै घरां तांई राजी होयोड़ो चाल पड्यो। अर बो लुकबा री जगां रो दरवाजो खोल्यो अर नीचै उतर्यो तो हैकर नै बैठ्यो भगवान री स्तुति करता अर उणरो धन्यवाद करता देख्यो।
24 अर बो उणनै चिरळायो अर कैयो, 'हे हैकार, म्हैं सगळा सूं बडी खुशी, सुख अर प्रसन्नता लाऊं हूं।'
25 अर हैकर उणसूं पूछ्यो, 'हे अबू समीक, कांई खबर है?' अर बो बिनै फिरौन रै बारै मांय सरू सूं लेयर आखरी तांई सगळी बातां बताई। फेर वो उणनै लेयर राजा कनै गयो।
26 अर जद राजा उणनै देख्यो तो उणनै देख्यो कै बो घणो दुखी है, अर उणरा बाल जंगली जानवरां री तरै लांबा हुयग्या है अर उणरा नाखून गरुड़ रै पंजां री तरै है, अर उणरो शरीर धूड़ सूं मैलो है अर बां रै चेहरै रो रंग बदळग्यो हो अर फीको पड़ग्यो हो अर अबै राख री तरै हो।
27 अर जद राजा उणनै देख्यो तो बो उणरै वास्तै दुखी हुयो अर झट उठ्यो अर उणनै गले लगायो अर उणनै चूम लियो अर उणरै माथै रोयो अर बोल्यो, 'परमेश्बर री स्तुति होवै! जिको थानै म्हारै कनै पाछो ल्यायो है।'
28 फेर ईशु उणनै सांत्वना दी अर उणनै दिलासा दियो। अर उण आपरो चोगो उतार दियो अर तलवारबाज नै पैर दियो अर उण माथै घणो दया करियो अर उणनै घणो धन दियो अर हैकर नै आराम दियो।
29 फेर हैकर राजा सूं कह्यो, 'म्हारा स्वामी राजा सदा जीवता रैवै। ये दुनिया रै टाबरां रा काम है। मैं एक ताड़ रो पेड़ पाळ्यो है जिणसूं मैं उण माथै टेक सकूं, अर बो तिरछो झुकग्यो अर म्हनै नीचै फेंक दियो।

30 पण हे म्हारा प्रभु! जद सूं म्हैं थारै साम्हीं प्रकट हुयो हूं, थारै माथै परवाह नीं करणी चाइजै! अर राजा उणनै कह्यो, 'परमेश्बर रो धन्य होवै, जिणनै थारै माथै दया करी अर जाण्यो कै थारै माथै अन्याव हुयो है, अर थानै बचायो अर थानै मारबा सूं बचायो।
31 पण गरम स्नान करण जावो अर आपरा माथा मुंडवाओ अर आपरा नाखून काट दो अर आपरा कपड़ा बदलो अर चालीस दिनां तांई खुद नै मनोरंजन करो, जिणसूं थै खुद रो भलो कर सको अर आपरी हालत अर आपरै चेहरै रो रंग सुधार सको। थारै कनै पाछो आ सकै है।'
32फेर राजा आपरो महंगो चोगो उतार'र हैकर नै पैर दियो अर हैकर परमेश्बर रो धन्यवाद करियो अर राजा नै प्रणाम करियो अर परमेश्बर री स्तुति करता थका आपरै घरां गयो।
33उणरै घर रा लोग ईशु रै सागै राजी हुया अर बिका दोस्त अर बां सगळा लोग जिका उणनै जीवतो होवण री बात सुणी, वै भी राजी हुया।

अध्याय 5

"पहेलियां" रो अक्षर अहिकर नै दिखायो गयो है। गरुड़ माथै छोरा। पैली "हवाई जहाज" री सवारी। मिस्र जाबा तांई। अहिकर, एक ज्ञानी होवण रै नातै हास्य री भावना भी राखै है। (श्लोक 27)।
1 अर बो राजा रै हुकम मुजब करियो अर चालीस दिनां तांई आराम करियो।
2 फेर बो आपरी सबसूं शानदार पोशाक पैहर'र सवारी कर'र राजा रै कनै गयो, अर आपरै दास आपरै लारै अर आपरै साम्हीं, खुस अर प्रसन्न होयर।
3 पण जद आपरी बैन रो बेटो नादान नै ठाह लाग्यो कै कांई हो रैयो है तो उणनै डर अर घबराहट फैलगी अर बो अचरज में पड़ग्यो अर बो कांई करणो चावै।
4 अर जद हैकर ओ देख्यो तो राजा रै कनै गयो अर उणनै नमस्कार करियो अर उणनै नमस्कार करियो अर उणनै आपरै कनै बैठायो अर उणनै कैयो।
'ओ म्हारो लाडलो हैकार! ईं चिट्ठियां नै देखो जिका मिस्र रा राजा म्हानै भेज्या हा, जद बां सुण्यो हो कै थूं मार दियो गयो है।
5 वां म्हानै भड़कायो अर म्हारै माथै विजय प्राप्त करी अर म्हारै देस रा घणकरा लोग मिस्र रा राजा म्हारै सूं कर मांगण सारू भेज्या है, इण डर सूं मिस्र भागग्या।
6 फेर हैकार नै चिट्ठी ली अर बांनै पढ़ी अर बांकी बातां नै समझ ली।
7 फेर बो राजा सूं बोल्यो। 'हे म्हारा स्वामी, रीस मत करो! मैं मिस्र जाऊंला अर फिरौन नै जवाब पाछो दूंला अर ओ चिट्ठी उणनै दिखाऊंला अर कर रै बारै में उणनै जवाब दूंला अर भागबाळा सगळा लोगां नै पाछो भेज दूंला; अर मैं थारा दुसमणां नै सर्वोच्च परमेश्बर री मदद सूं अर थारै राज री खुशी रै वास्तै शर्मिंदा करूंला।'
8 अर जद राजा हैकर सूं आ बात सुणी तो बो घणो राजी हुयो अर उणरो मन फैलग्यो अर बो उण माथै किरपा करी।
9 अर हैकर राजा सूं कह्यो, 'म्हानै चालीस दिनां री देरी दे दो, जिणसूं म्हैं इण सवाल माथै विचार कर सकूं अर इणनै संभाळ सकूं।' अर राजा इण बात री इजाजत दे दी।
10अर हैकर आपरै घरै गयो अर शिकारी नै हुकम दियो कै वे आपरै वास्तै दो गरुड़ रा बच्चां नै पकड़ लेवै, अर वे बांनै पकड़'र उणरै कनै ले आया। अर उण रस्सियां बुनणियां नै हुकम दियो कै वे उणरै वास्तै दो सूती डोर बुणै, हरेक दो हजार हाथ लांबो हो, अर बो बढ़ईयां नै लाया अर बांनै दो मोटा बक्सा बणाबा रो हुकम दियो, अर बां ओ।
11फेर बो दो छोटा छोरां नै लेय'र हर दिन मेमना री बलि चढ़ातो अर गरुड़ अर छोरां नै चारा देवतो अर छोरां नै गरुड़ री पीठ माथै सवार करतो अर बांनै एक मजबूत गांठ सूं बांध दियो अर डोर नै बां रै पगां मांय बांध दियो। गरुड़, अर बांनै हर दिन धीरे-धीरे ऊपर उड़बा दे, दस हाथ री दूरी तांई, जद तांई कै वे आदत नीं पड़ जावै अर नीं हो जावै इणरै वास्तै शिक्षित; अर वे रस्सी री पूरी लंबाई नै आकास तांई पूगता गया; छोरा आपरी पीठ माथै हो। फेर बो बांनै आपरै कनै खींच लियो।
12 अर जद हैकर देख्यो कै उणरी इच्छा पूरी हुई है तो बो छोरां नै हुकम दियो कै जद बांनै आकास रै मांय उठायो जावैला तो बांनै चिल्लाणो चाइजै।
13 'म्हारै कनै माटी अर पत्थर ल्याओ, जिणसूं म्हे राजा फिरौन रै वास्तै एक किलो बणा सकां, क्यूंकै म्हे आलसी हां।'
14 अर हैकर कदैई बांनै प्रशिक्षित अर व्यायाम नीं कर सक्या जद तांई कै वै (कौशल) रै सर्वोत्तम संभव बिंदु तांई नीं पूगग्या।
15 फेर बो बांनै छोडर राजा कनै गयो अर बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी! थारी इच्छा मुजब काम पूरो होग्यो। म्हारै सागै उठो अर म्हैं थानै अचरज दिखा सकूं।'
16 तो राजा उछळ्यो अर हैकर रै सागै बैठग्यो अर एक चौड़ी जगां माथै गयो अर गरुड़ अर छोरां नै ल्याबा नै भेज्यो, अर हैकर बांनै बांध दियो अर बांनै डोर री पूरी लंबाई तांई हवा मांय उतार दियो अर बै चिल्लाबा लाग्या। उण बांनै सिखायो हो। फेर बो बांनै आपरै कनै खींच लियो अर बांनै बांरी जगां माथै राख दियो।
17अर राजा अर उणरै सागै रैवण आळा लोगां नै घणो अचरज हुयो अर राजा हैकर नै उणरी आंख्यां रै बिचाळै चूम्यो अर उणनै कैयो, 'हे म्हारा लाडला, शांति सूं जा। हे म्हारै राज री गौरव! मिस्र जावो अर फिरौन रै सवालां रा जवाब देवो अर सर्वोच्च परमेश्बर री ताकत सूं उण माथै विजय प्राप्त करो।'
18फेर बो उणनै विदाई देय'र आपरी सेना अर सेना अर जवान अर गरुड़ नै लेय'र मिस्र रै घरां कानी गयो। अर जद बो पूग्यो तो बो राजा रै देस कानी मुड़ग्यो।
19 अर जद मिस्र रा लोगां नै ठाह लाग्यो कै सन्हेरीब आपरी गुप्त परिषद रो एक आदमी नै फिरौन सूं बात करण अर उणरै सवालां रा जवाब देवण सारू भेज्यो है, तो वे राजा फिरौन नै आ खबर पूगाई अर बो आपरै गुप्त सलाहकारां री एक टोळी नै फिरौन रै साम्हीं लावण सारू भेज दियो। .
20 अर बो फिरौन रै सामी गयो अर राजावां रै सामी बिंया प्रणाम करियो।
21 अर बो उणसूं बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी राजा! राजा सनहेरीब थानै घणी शान्ति अर सामरथ अर सम्मान रै साथै स्वाद करै है।

22 अर बो मन्नै भेज्यो है, जको म्हैं थारा दास हूं, थारै सवालां रा जवाब दे सकूं अर थारी सगळी इच्छा पूरी कर सकूं, क्यूंकै थूं म्हारै स्वामी राजा सूं अेक इसो आदमी ढूंढण नै भेज्यो है जिको थारै वास्तै एक किलो बणावैला। आकास अर धरती।
23अर मैं परमेश्बर री मदद अर थारी महान अनुग्रह अर म्हारा स्वामी राजा री ताकत सूं थारै वास्तै ओ बणा दूंला जियां थै चावोला।
24 पण हे म्हारा स्वामी राजा! तीन साल तांई मिस्र रै कर रै बारै में थूं कांई कैयो है--अबै एक राज्य री स्थिरता सख्त न्याय है, अर जे थूं जीत जावैला अर म्हारै हाथ में थानै जवाब देवण में कोई कुशलता कोनी है तो म्हारा स्वामी राजा थानै भेजैला। कर जिण रो जिकर थै करियो है।
25 अर जे म्हैं थारै सवालां रा जवाब दे दूंला तो थारै माथै बाकी रैसी कै थूं जिकी बातां बताई है बां नै म्हारा स्वामी राजा नै भेजणी है।'
26 जद फिरौन आ बात सुणी तो बो अचरज में पड़ग्यो अर आपरी जीभ री आजादी अर बोलण री सुखदता देखर अचरज में पड़ग्यो।
27 राजा फिरौन उणसूं बोल्यो, "हे मिनख! थारो नांव कांई है?' अर बो बोल्यो, 'थारो सेवक अबीकाम है अर म्हैं राजा सनहेरीब री चींटियां मांय सूं एक छोटी सी चींटी हूं।'
28 अर फिरौन उणसूं पूछ्यो, 'कांई थारै स्वामी थारै सूं मोटो कोई इज्जतवान नीं हो, जिणसूं बो म्हारै सूं बात करण सारू अर म्हारै सूं बात करण सारू एक छोटी सी चींटी भेजी है?'
29 अर हैकर उणसूं बोल्यो, 'हे म्हारा राजा राजा! मैं परमेश्वर सूं चावूं कै मैं थारी मन री बातां नै पूरी करूं, क्यूंकै भगवान कमजोर लोगां रै सागै है अर वो ताकतवरां नै भ्रमित कर सकै।'
30 फेर फिरौन हुकम दियो कै वे अबीकाम रै वास्तै एक ठिकाणो बणावै अर उणनै चारा, खाणो, पीणो अर बां सगळी चीजां री व्यवस्था करै।
31जद ओ काम पूरो हुयो तो तीन दिनां पछै फिरौन बैंगनी अर लाल कपड़ा पैरर आपरै सिंहासन माथै बैठग्यो अर बांका सगळा वजीर अर बांका राज रा महापुरुष आपरा पगां नै एक दूजा रै लारै अर आपरा माथा झुकायोड़ा खड़्या हा।
32 फेर फिरौन अबीकाम नै लेबा नै भेज्यो अर जद बो उणरै सामी आयो तो बो उणरै साम्हीं प्रणाम करियो अर उणरै साम्हीं जमीन नै चूम्यो।
33 राजा फिरौन उणसूं बोल्यो, "हे अबीकाम, म्हैं किण री तरै हूं? अर म्हारै राज रा रईस, वे किण रै समान है?'
34 अर हैकर उणनै कह्यो, 'हे म्हारा स्वामी रिश्तेदार, थूं बेल मूर्ति री तरै है अर थारै राज्य रा कुलीन लोग उणरा सेवकां री तरै है।'
35 ईशु उणनै कह्यो, 'जा अर काल पाछो अठै आ जा।' सो हैकर राजा फिरौन रै हुकम मुजब गयो।
36 अर दूजै दिन हैकर फिरौन रै सामी गयो अर प्रणाम करियो अर राजा रै सामी खड़्यो होग्यो। अर फिरौन लाल रंग रा कपड़ा पैर राख्या हा अर रईस लोगां नै सफेद रंग रा कपड़ा पैराया हा।
37 अर फिरौन उणसूं कह्यो, 'हे अबीकाम, मैं किण री तरै हूं? अर म्हारै राज रा रईस, वे किण रै समान है?'
38 अर अबीकाम बिसुबऊँ बोल्यो, "हे म्हारा स्वामी! तूं सूरज री तरै है अर थारा सेवक उणरी किरणां री तरै है।' अर फिरौन उणनै कह्यो, 'थारै घरां जा अर काल अठै आ जा।'
39 फेर फिरौन आपरै दरबार नै शुद्ध सफेद कपड़ा पैरण रो हुकम दियो अर फिरौन बां री तरै कपड़ा पैर'र आपरै सिंहासन माथै बैठग्यो अर बां नै हैकार ल्याबा रो हुकम दियो। अर बो भीतर बड़ग्यो अर ईशु रै साम्हीं बैठग्यो।
40 फेर फिरौन उणसूं बोल्यो, हे अबीकाम, म्हैं किण री तरै हूं? अर म्हारा रईस, वे किण रै समान है?'
41 अर अबीकाम बिसुबऊँ बोल्यो, "हे म्हारा स्वामी! तूं चांद री तरै है अर थारा कुलीन ग्रह अर तारां री तरै है।' अर फिरौन उणनै कह्यो, 'जा अर काल अठै ई रैवोला।'
42 फेर फिरौन आपरै नौकरां नै न्यारा-न्यारा रंगां रा चोगा पैरबा रो हुकम दियो अर फिरौन लाल मखमली पोशाक पैहर'र आपरै सिंहासन माथै बैठग्यो अर बांनै अबीकाम नै ल्याबा रो हुकम दियो। अर ईशु मांय बड़'र उणरै साम्हीं प्रणाम करियो।
43 अर बो बोल्यो, हे अबीकाम, म्हैं किण री तरै हूं? अर म्हारी सेनावां, वे किण री तरै है?' अर बो बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी! तूं अप्रैल रै महीनै री तरै है अर थारी सेनावां उणरै फूलां री तरै है।'
44 अर जद राजा आ बात सुणी तो बो घणो राजी होयो अर बोल्यो, 'हे अबीकाम! पैली बार तूं म्हारी तुलना बेल मूर्ति सूं करी अर म्हारै रईसां री तुलना उणरै नौकरां सूं करी।
45 अर दूजी बार तूं म्हारी तुलना सूरज सूं करी अर म्हारा कुलीन लोगां री तुलना सूरज री किरणां सूं करी।
46 अर तीजी बार तूं म्हारी तुलना चांद सूं करी अर म्हारै रईसां री तुलना ग्रह अर तारां सूं करी।
47 अर चौथी बार तूं म्हारी तुलना अप्रैल महीनै सूं करी अर म्हारै रईसां री तुलना उणरै फूलां सूं करी। पण अबै हे अबीकाम! थारा स्वामी, राजा सनहेरिब, मन्नै बताओ, वो किण री तरै है? अर उणरा रईस, वे किण रै समान है?'
48 अर हैकर जोर सूं चिल्लायो अर बोल्यो, 'म्हारै स्वामी राजा अर थारै सिंहासन माथै बैठ्या थारै रो जिकर करणो म्हारै सूं दूर रैवै। पण थारै पगां माथै खड़्यो हो अर म्हैं थानै बता सकूं कै म्हारा स्वामी राजा किण री तरै है अर बां रा रईस किण री तरै है।'
49 फेर फिरौन आपरी जीभ री आजादी अर जवाब देबा में हिम्मत देखर हैरान हो। फेर फिरौन आपरै सिंहासन सूं उठ्यो अर हैकार रै साम्हीं खड़्यो हुयो अर उणसूं बोल्यो, 'अबै म्हानै बताओ, जिणसूं म्हैं जाण सकूं कै थारो राजा अर उणरा रईस किण रै समान है।'
50 अर हैकर उणनै कह्यो, 'म्हारो स्वामी स्वर्ग रो परमेश्बर है, अर उणरा कुलीन बिजली अर गरज है, अर जद बो चावै तो हवा चालै अर बरसात पड़ै।
51 अर बो गरज नै हुकम देवै है, अर बो चमकै है अर बरसात करै है, अर बो सूरज नै पकड़ै है, अर बो आपरी रोशनी नीं देवै है, अर चांद अर तारा, अर वे चक्कर नीं लगावै है।
52 अर बो आंधी नै हुकम देवै है, अर बो चालै है अर बरसात करै है अर बो अप्रैल नै रौंद देवै है अर बां रा फूलां अर बां रा घरां नै उजाड़ देवै है।'

53 जद फिरौन आ बात सुणी तो बो घणो अचंभित हुयो अर बो घणो गुस्सा करग्यो अर बिनै बोल्यो, 'हे मिनख! म्हनैं साची बात बताओ अर म्हनैं बताओ कै थूं असल मांय कुण है।'
54 अर बो बिनै साची बात बताई। 'मैं राजा सेनहेरीब रै प्राइवी काउंसिलरां मांय सूं सबसूं बडो लिपिक हैकार हूं, अर मैं उणरो वजीर अर उणरै राज्य रो गवर्नर अर उणरो चांसलर हूं।'
55 अर ईशु उणनै बोल्यो, "थे इण बातां मांय साच बोल्यो है। पण म्हे हैकर रै बारै मांय सुण्यो है कै राजा सन्हेरिब उणनै मार दियो है, पण थूं जीवतो अर ठीक-ठाक लागै है।'
56अर हैकर उणनै कह्यो, 'हां, ओ ईज हो, पण परमेश्बर री स्तुति है, जको जाणै है कै कांई छुप्योड़ो है, क्यूंकै म्हारै स्वामी राजा म्हनैं मारबा रो हुकम दियो हो, अर उणनैं फूहड़ लोगां री बात माथै विस्वास करियो, पण प्रभु म्हनैं बचा दियो। , अर धन्य है वो जो उण माथै भरोसो राखै है।'
57 अर फिरौन हैकार सूं कह्यो, 'जा अर काल अठै आ अर म्हनैं अेक इसो सबद बता जिको म्हैं कदैई आपरै रईसां सूं अर आपरै राज अर देस रै लोगां सूं नीं सुण्यो।'

अध्याय 6

ओ चाल सफल हो जावै है। अहिकर फिरौन रै हरेक सवाल रो जवाब देवै है। गरुड़ माथै छोरा दिन री पराकाष्ठा है। बुद्धि, जो प्राचीन ग्रंथां रै मांय घणी कम ही मिलै है, श्लोक 34-45 रै मांय प्रगट करीजी है।
1 अर हैकर आपरै घरां गयो अर एक चिट्ठी लिखी अर बां मांय लिख्यो हो।
2 अश्शूर रा राजा सनहेरीब सूं। अर नीनवे मिस्र रा राजा फिरौन नै दियो।
3 'हे भाई, थानै शांति होवै। अर म्हे थानै इण बात सूं कांई बतावां कै एक भाई नै आपरै भाई री जरूरत है अर एक दूजा रा राजा है, अर म्हारी थारै सूं आ आस है कै थूं म्हनै नौ सौ टैलेंट सोनो उधार देसी, क्यूंकै म्हनै इणरी जरूरत है केई सैनिक, ताकि, मैं बां माथै खर्च कर सकूं। अर थोड़ी ताळ पछै म्हैं थानै भेज दूंला।'
4 फेर बो चिट्ठी नै मोड़'र दूजै दिन फिरौन नै दे दियो।
5 अर जद ईशु ओ देख्यो तो बो हैरान होग्यो अर बोल्यो, "म्हैं कदैई किणी सूं ई इण भासा री कोई बात कोनी सुणी।"
6 फेर हैकर उणसूं कह्यो, 'वाकई यो एक कर्ज है जिणनै थूं म्हारै स्वामी राजा माथै देणो है।'
7 अर फिरौन आ बात स्वीकार कर'र बोल्यो, 'हे हैकार, राजावां री सेवा में ईमानदारी करण आळा थारै जिसा ई है।
8 धन्य हो परमेश्बर जखो थानै बुद्धि अर दर्शन अर ज्ञान सूं सजायो।
9 अर अबै हे हैकर, थारै सूं म्हे कांई चावां हां, जिणनै थूं आकास अर धरती रै बिचाळै एक किल री तरै बणावैला।'
10 फेर हैकर बोल्यो, 'सुणणो मानणो है। मैं थारी इच्छा अर पसंद रै मुजब थारै वास्तै एक महल बणाऊंला; पण, हे म्हारा स्वामी, म्हैं म्हारै वास्तै चूना, पत्थर, माटी अर कामगार त्यार करूं हूं, अर म्हारै कनै कुशल बिल्डर है, जका थारै वास्तै जियां थारी इच्छा है, बणावैला।'
11 अर राजा उणरै वास्तै सगळो कीं त्यार कर दियो अर बै एक चौड़ी जगां माथै गया। अर हैकर अर बांका छोरा उणरै कनै आया अर बां गरुड़ अर जवान नै आपरै सागै लेयग्या। अर राजा अर बांका सगळा रईस गया अर आखो शहर भेळो हुयो, ताकि वे देख सकै कै हैकर कांई करैला।
12 फेर हैकर गरुड़ नै बक्सा सूं बारै काढ दियो अर जवान मिनखां नै बांरी पीठ माथै बांध दियो अर गरुड़ रै पगां माथै डोर बांध दी अर बांनै हवा मांय उड़ण दियो। अर वे ऊपर उड़ता गया, जद तांई वे आकाश अर धरती रै बिचाळै नीं रैयग्या।
13 अर छोरा चिल्लाबा लाग्या, 'ईंट ल्याओ, माटी ल्याओ, ताकि म्हे राजा रो महल बणा सकां, क्यूंकै म्हे बेकार खड़ा हां।'
14 अर भीड़ हैरान अर हैरान रैयगी अर अचंभित रैयगी। अर राजा अर बांका रईस हैरान रैयग्या।
15अर हैकर अर बांका नौकर मजदूरां नै मारबा लाग्या अर राजा री फौजां नै चिल्लाता थका कैयो, 'कुशल कामगारां रै कनै वांरी मनचाही चीजां ल्याओ अर वांनै वांरै काम सूं रोक नीं देवो।'
16 राजा उणसूं कह्यो, 'थे पागल हो। इतणी दूरी तांई कुण कीं ल्या सकै है?'
17 अर हैकर उणसूं बोल्यो, हे म्हारा स्वामी! आपां हवा रै मांय एक महल कियां बणावांला? अर जे म्हारा स्वामी राजा अठै हुंवता तो वै एक ई दिन मांय केई महल बणा लेता।'
18 अर फिरौन उणनै कह्यो, 'हे हैकार, जा अर आराम कर, क्यूंकै म्हे महल बणाणो बंद कर दियो है अर काल म्हारै कनै आसी।'
19 फेर हैकर आपरै घरां गयो अर दूजै दिन फिरौन रै साम्हीं हाजिर हुयो। अर फिरौन बोल्यो, 'हे हैकार, थारै स्वामी रै घोड़े री कांई खबर है? क्यूंकै जद बो अश्शूर अर नीनवे रै देस मांय रैवै है अर म्हारी घोड़ियां उणरी आवाज सुणै है तो बै आपरा टाबर पैदा करै है।'
20जद हैकर नै आ बात सुणी तो बो गयो अर एक बिल्ली नै लेय'र बांनै बांध दियो अर बांनै जोर सूं कोड़ा मारण लाग्या जद तांई कै मिस्रियां नै आ बात नीं सुणी अर बै राजा नै इण बाबत बतायो।
21 अर फिरौन हैकर नै ल्याबा नै भेज्यो अर उणनै कह्यो, 'हे हैकर, थूं उण गूंगा जानवर नै क्यूं मारै है?'
22 अर हैकर उणसूं बोल्यो, "म्हारा स्वामी राजा! साची में वा म्हारै सागै एक भद्दा काम करियो है, अर वा इण मार अर कोड़ा री हकदार है, क्यूंकै म्हारै स्वामी राजा सेनहेरीब म्हनैं एक बढ़िया मुर्गा दियो हो, अर उणरी आवाज घणी जोरदार ही अर बो दिन अर रात रा घड़ियां जाणतो हो।
23 अर बिल्ली आज ई रात नै उठी अर आपरो माथो काट दियो अर चली गी, अर इण काम रै कारण म्हैं उणनै इण भांत री चोट करी।'
24 अर फिरौन उणसूं बोल्यो, 'हे हैकर, म्हैं इण सगळा सूं देखूं कै थूं बूढो हुय रैयो है अर थारी गुप्तता रै मांय है, क्यूंकै मिस्र अर नीनवे रै बिचाळै अड़सठ परसांग है, अर वा आज ई रात नै क्यूं जा'र कटगी। थारै मुर्गा रो सिर अर पाछो आ जावो?'
25 अर हैकर उणसूं बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी! जे मिस्र अर नीनवे रै बिचाळै इतरो दूरो हो तो थारी घोड़ियां कांईं सुण सकै

ही जद म्हारा स्वामी राजा रा घोड़ा कूकता है अर आपरा बच्चां नै फेंकता है? अर घोड़ा री आवाज मिस्र तांई कियां पूग सकै है?'
26 अर जद फिरौन आ बात सुणी तो बो जाणग्यो कै हैकार उणरै सवालां रा जवाब दे दियो है।
27 अर फिरौन कह्यो, 'हे हैकार, मैं चावूं हूं कै थूं म्हारै वास्तै समंदर री रेत री डोर बणा दे।'
28अर हैकर उणसूं बोल्यो, "हे म्हारा स्वामी राजा, बांनै खजाना रै मांय सूं एक रस्सी ल्याबा रो हुकम देवो, जिणसूं म्हैं उणरै जिसी रस्सी बणा सकूं।"
29फेर हैकर घर रै लारै गयो अर समंदर रै ऊबड़-खाबड़ कांठै माथै छेद करिया अर आपरै हाथ मांय एक मुट्ठी बाळू रेत, समंदर री रेत ली अर जद सूरज उग्यो अर छेदां मांय बड़ग्यो अर उणनै फैला दियो। धूप रै मांय बाळू रेत नै डोरियां री तरै बुण्योड़ी नीं बणगी।
30अर हैकर बोल्यो, 'आपरै नौकरां नै हुकम दे कै वे इण डोरियां नै ले लेवै, अर जद भी थूं चावैला, म्हैं थारै वास्तै बां री तरै कीं बुण दूंला।'
31 अर फिरौन बोल्यो, हे हैकार, अठै म्हारै कनै एक चक्की रो पत्थर है अर बो टूटग्यो है अर म्हैं चावूं कै थूं उणनै सिलाई कर दे।
32 फेर हैकर उणनै देख्यो अर उणनै दूजो पत्थर मिलग्यो।
33 अर बो फिरौन सूं बोल्यो, 'हे म्हारा स्वामी! मैं एक विदेशी हूँ: अर म्हारै कनै सिलाई करण रो कोई औजार कोनी है।
34 पण म्हैं चावूं कै थूं थारै विश्वासपात्र जूता बणाबाळा नै हुकम दे कै वै इण पत्थर सूं सिल काट देवै, जिणसूं म्हैं उण चक्की रो पत्थर सिल सकूं।'
35 जणा फिरौन अर बिरा सगळा रईस हांस्या। अर बोल्यो, 'परम परमेश्बर रो धन्य हो, जिणनै थानै आ बुद्धि अर ज्ञान दियो।'
36 अर जद फिरौन देख्यो कै हैकार उण माथै जीत हासिल कर ली है अर उणनै आपरा जबाब दे दिया है तो बो झट सूं उछळग्यो अर बांनै हुकम दियो कै वे उणरै वास्तै तीन साल रा कर वसूल करै अर हैकार ल्यावै।
37 अर बो आपरा चोगा उतार'र हैकर अर उणरै सिपाही अर नौकरां नै पैराया अर उणनै आपरै सफर रो खर्चो दे दियो।
38 अर बो उणनै कह्यो, 'हे आपरै स्वामी री ताकत अर आपरै डागदरां रो घमंड, शांति सूं जा! थारै जिसा सुल्तान है? थारा स्वामी राजा सनहेरिब नै म्हारो नमस्कार करो अर उणनै बताओ कै म्हे उणनै कियां दान भेज्या है, क्यूंकै राजा थोड़ा सा ई संतुष्ट हुवै है।'
39फेर हैकर उठ्यो अर राजा फिरौन रा हाथां नै चूम्यो अर उणरै साम्हीं जमीन नै चूम्यो अर उणनै ताकत अर निरंतरता अर उणरै खजानै री भरमार री कामना करी अर उणनै कैयो, 'हे म्हारा स्वामी! म्हैं थारै सूं आ अरज करूं कै म्हारै देशवासी मांय सूं कोई भी मिस्र मांय नीं रैवै।'
40 अर फिरौन उठ्यो अर मिस्र री सड़कां माथै घोषणा करण सारू भेज्या कै अश्शूर अर नीनवे रै लोगां मांय सूं कोई भी मिस्र रै देस मांय नीं रैवै, पण वे हैकर रै साथै जावै।
41 फेर हैकर राजा फिरौन सूं विदाई लेय'र अश्शूर अर नीनवे री धरती री तलाश करण लागग्यो। अर उणरै कनै कीं खजाना अर घणी सारी धन-दौलत ही।
42 अर जद राजा सनहेरिब नै आ खबर मिली कै हैकर आ रैयो है तो बो उणनै मिलबा नै निकळियो अर उणरै माथै घणो राजी हुयो अर उणनै गले लगायो अर उणनै चूम लियो अर उणनै कैयो, 'हे रिश्तेदार! म्हारो भाई हैकर, म्हारै राज्य री ताकत अर म्हारै राज्य रो गौरव।
43 भलांई थूं म्हारै आधा राज अर म्हारै सम्पति रो आधो हिस्सो चावै तो थूं म्हारै सूं कांई चावै।'
44 फेर हैकर उणसूं बोल्यो, 'हे म्हारा राजा राजा, सदा जीवता रैवो। हे म्हारा स्वामी राजा, दया करो! म्हारै जगां अबू समीक नै, क्यूंकै म्हारो जीवन भगवान रै हाथां मांय अर उणरै हाथां मांय हो।'
45 जणा राजा सनहेरीब बोल्यो, "हे म्हारा लाडला हैकर, थारी आदर होवै। मैं अबू समिक रै तलवारबाज नै आपरै सगळा प्राइवी काउंसिलर अर आपरै पसंदीदा सूं ऊंचो बणा दूंला।'
46 फेर राजा उणसूं पूछण लाग्यो कै फिरौन रै आबा सूं लेर उणरै कनै सूं दूर जावण तांई थारो व्यवहार कियां रैयो है, अर उणरै सगळा सवालां रा जवाब कियां दिया है, अर उणनै उणसूं कर अर फेरबदल कियां लिया है। कपड़ा अर भेंटां रो।
47 अर राजा सनहेरिब घणी खुशी सूं होयो अर हैकर सूं कह्यो, 'इण कर सूं जिको कीं लेणो चावै, ले ले, क्यूंकै ओ सगळो थारै हाथ मांय है।'
48 अर हैकर मिड: 'राजा नै सदा जीवित रैवण दो! मैं आपरै स्वामी राजा री सुरक्षा अर उणरी महानता रै निरंतरता रै अलावा और कीं नीं चावूं।
49 हे म्हारा स्वामी! मैं धन अर इणरै समान रो कांई कर सकूं? पण जे थूं म्हारै माथै दया करैला तो म्हनैं म्हारी बैन रो बेटो नादान दे दो, जिणसूं म्हैं उणनैं म्हारै साथै करियोड़ा कामां रो बदलो दे सकूं अर म्हनैं उणरो खून दे सकूं अर म्हनैं इणसूं निर्दोष ठहरा सकूं।'
50 अर राजा सनहेरीब बोल्यो, "इणनै ले जा, म्हैं उणनै थानै दे दियो है।" अर हैकर आपरी बैन रै बेटै नादान नै पकड़ लियो अर बांका हाथां नै लोह री जंजीर सूं बांध दियो अर बांनै आपरै घरां लेग्यो अर बारै पगां माथै एक भारी बेड़ी बांध दी अर बांनै कस'र बांध दियो अर बांनै इण भांत बांध दियो अर बांनै फेंक दियो। एक अंधेरे कमरे में, रिटायरमेंट-प्लेस रै कनै, अर नेबू-हाल नै उणरै ऊपर संतरी रै रूप में नियुक्त करियो ताकि उणनै हर एक रोटी अर थोड़ो-घणो पाणी दियो जावै। दिन।

अध्याय 7

अहिकर रा दृष्टान्त जिण मांय बो आपरै भतीजां री शिक्षा पूरी करै। जोरदार उपमावां। अहिकार छोरै नै सुरम्य नांव सूं पुकारै है। अठै अहिकार री कहाणी समाप्त हुवै है।
1 अर जद भी हैकर मांय जांवतो अर बारै जातो तो बो आपरी बैन रै बेटै नादान नै डांटतो अर उणनै समझदारी सूं कैवतो।
2 'ओ नादान, म्हारो छोरो! म्हैं थारै सागै सगळो भलो अर दयालु काम करियो है अर थूं इण रो फल मन्नै भद्दा अर बुरा अर हत्या सूं दियो है।

3 'ओ म्हारा बेटा! कहावतां मांय कैयो गयो है कै जिको कान सूं नीं सुणैला, बांनै गळै री डंडी सूं सुणवावैला।'
4 अर नादान बोल्यो, 'थे म्हारै माथै कियां नाराज हो?'
5अर हैकर उणसूं कह्यो, 'क्यूंकै म्हैं थानै पाळ्यो-पोस्यो, थानै सिखायो, अर थानै आदर अर आदर दियो अर थानै महान बणायो, अर थानै चोखा पाळण-पोसण सूं पाळ्यो अर थानै म्हारी जगां माथै बिठायो जिणसूं थूं म्हारो वारिस बण सकै। दुनिया नै, अर थूं म्हारै साथै हत्या करी अर म्हारै बर्बादी रो बदलो दियो।
6 पण प्रभु जाणतो हो कै म्हारै साथै अन्याय हुयो है, अर बो म्हानै उण माल सूं बचायो जिणनै थूं म्हारै वास्तै राख्यो हो, क्यूंकै प्रभु टूटेड़ा मन नै ठीक करै है अर ईर्ष्यालु अर घमंडी नै रोकै है।
7 हे म्हारा छोरा! तूं म्हारै वास्तै बिच्छू री तरै रैयो है जको जद पीतल माथै वार करै है अर उणनै छेद देवै है।
8 हे म्हारा छोरा! तूं उण गजेल री तरै है जको पागल री जड़ां नै खा रैयो हो, अर बो आज म्हनै जोड़ैला अर काल वे म्हारै जड़ां मांय लुक जावैला।"
9 हे म्हारा छोरा! थूं उण रै कनै गयो है जिणनै जाड़ां रै ठंडै बगत मांय आपरै साथी नै नंगो देख्यो हो; अर बो ठंडो पाणी लेय'र उण माथै ढाळ दियो।
10 हे म्हारा छोरा! तूं म्हारै वास्तै उण मिनख री तरै हो जिको एक पत्थर लेय'र आपरै प्रभु नै पत्थर मारबा रै वास्तै उणनै आकास मांय फेंक दियो। अर पत्थर नीं टकरायो, अर ऊंचो नीं पूग्यो, पण ओ अपराध अर पाप रो कारण बणग्यो।
11 हे म्हारा छोरा! जे थूं म्हारो आदर करतो अर म्हारो आदर करतो अर म्हारी बातां सुणतो तो थूं म्हारो वारिस होतो अर म्हारै राज माथै राज करतो।
12 हे म्हारा बेटा! थनै ठाह है कै जे कुत्ते या सुअर री पूंछ दस हाथ लांबी हुवै तो भलांई वा रेशम री तरै हुवै पण वा घोड़ा री कीमत रै बराबर नीं हुवैला।
13 हे म्हारा छोरा! म्हैं सोच्यो कै म्हारी मौत रै बगत थूं म्हारो वारिस होसी; अर थूं थारी ईर्ष्या अर थारी ढीठता रै कारण म्हनै मारणो चावै हो। पण प्रभु म्हनै थारी चालबाजी सूं छुड़ायो।
14 हे म्हारा बेटा! तूं म्हारै वास्तै एक जाळ री तरै हो जिणनै गोबर रै ढेर माथै लगायो गयो हो, अर एक गौरैया आई अर उणनै जाळ लगायोड़ो देख्यो। अर गौरैया जाळ सूं बोली, "थे अठै कांई कर रिया हो?" जाळ बोल्यो, "मैं अठै भगवान सूं प्रार्थना कर रैयो हूं।"
15 अर लार्क उणनै भी पूछ्यो, "थै हाथ मांय लकड़ी रो टुकड़ो कांई है?" जाळ बोल्यो, "ओ एक जवान ओक रो पेड़ है जिण माथै म्हैं प्रार्थना रै बगत झुकूं।"
16 लार्क बोल्यो, "अर थारै मुंडा मांय कांई है?" जाळ बोल्यो: "ओ तो रोटी अर खाणो है जिणनै मैं सगळा भूखा अर गरीबां रै वास्तै ले जाऊं जका म्हारै कनै आवै है।"
17 लार्क बोल्यो, "अब मैं आगे आ सकूं अर खा सकूं, क्यूंकै म्हनै भूख लाग री है?" अर जाळ उणनै कैयो, "आगै आ।" अर लार्क नैड़ै आयो कै वो खा सकै।
18 पण जाळ उछळग्यो अर लार्क नै उणरी गर्दन सूं पकड़ लीनो।
19 अर लार्क जाळ नै जवाब दियो, "अगर आ थारी भूखा रै वास्तै रोटी है तो परमेश्बर थारी भिक्षा अर थारा दयालु कामां नै स्वीकार कोनी करैला।"
20 अर जे थारो व्रत अर प्रार्थना है तो परमेश्बर थारो उपवास अर थारी प्रार्थना नै स्वीकार कोनी करैला अर परमेश्बर थारै वास्तै भलो काम नीं करैला।"
21 हे म्हारा छोरा! तूं म्हारै वास्तै एक शेर हो जिणनै एक गधा सूं दोस्ती करी अर गधा थोड़ी ताळ तांई शेर रै साम्हीं चालतो रैयो; अर एक दिन शेर गधा माथै कूदग्यो अर उणनै खाग्यो।
22 हे म्हारा छोरा! तूं म्हारै वास्तै गेहूं रै मांय एक कीड़ा री तरै रैयो है, क्यूंकै ओ किणी भी चीज रो भलो नीं करै है, पण गेहूं नै बिगाड़ देवै है अर उणनै काट देवै है।
23 हे म्हारा छोरा! थूं उण मिनख री तरै हो जिको दस माप गेहूं बोयो अर जद फसल री कटाई रो बखत आयो तो बो उठ्यो अर उणनै काट्यो अर उणनै बटोर दियो अर उणनै कुट्यो अर उणरै माथै घणी मेहनत करी अर बो दस माप रो बोयो। माप, अर उणरै मालिक उणनै कैयो: "हे आलसी चीज! थूं नीं बडो हुयो अर नीं सिकुड्यो।"
24 हे म्हारा छोरा! तूं म्हारै वास्तै उण तीतर री तरै हो जिणनै जाळ मांय फेंक दियो गयो हो, अर वा खुद नै नीं बचा सकै ही, पण वा तीतरां नै पुकारती ही कै वा खुद रै सागै जाळ मांय फेंक देवै।
25 हे म्हारा बेटा! थूं म्हारै वास्तै उण कुत्ते री तरै रैयो है जको ठंडो हो अर बो कुम्हार रै घरै गरम होवण सारू गयो हो।
26 अर जद ओ गरम हुयो तो बो बां माथै भौंकबा लागग्यो अर बे बांनै भगाबा लाग्या अर बांनै मारबा लाग्यो कै बो बांनै नीं काटै।
27 हे म्हारा बेटा! थूं म्हारै वास्तै उण सुअर री तरै रैयो है जको गुणवत्ता वाळा लोगां रै सागै गरम स्नान में गयो हो अर जद बो गरम स्नान सूं बारै आयो तो उणनै एक गंदा छेद देख्यो अर बो नीचै जा'र उण मांय लुढ़कग्यो।
28 हे म्हारा बेटा! थूं म्हारै वास्तै उण बकरी री तरै रैयो है जकी बलिदान रै मारग माथै आपरै साथियां रै सागै जुड़गी अर खुद नै बचाबा में असमर्थ रैयी।
29 हे म्हारा छोरा! जिण कुत्ते नै शिकार सूं भोजन नीं मिलै बो मक्खियां रो भोजन बण जावै।
30 हे म्हारा बेटा! वो हाथ जो मेहनत अर जोत नीं करै अर (जो) लालची अर धूर्त है, वो हाथ उणरै कांधै सूं काट दियो जावैला।
31 हे म्हारा बेटा! जिण आंख मांय उजास नीं दीखै, बां नै कागला काढैला अर काढैला।
32 हे म्हारा छोरा! थै म्हारै वास्तै एक इसा पेड़ री तरै हो जिणरी डाळियां नै वे काट रैया हा, अर बो बांनै कैयो हो, "अगर म्हारै मांय सूं कोई चीज थारै हाथां मांय नीं हुवती तो थै म्हनै काट नीं सकता।"
33 हे म्हारा छोरा! थै उण बिल्ली री तरै हो जिणनै वै कैयो हो: "जद तांई म्हे थारै वास्तै सोने री जंजीर नीं बणावां अर थानै शक्कर अर बादाम नीं खिलावां, चोरी करणो बंद कर।"
34 अर वा बोली, "मैं म्हारा पिता अर माता री कला नै कोनी भूलूं।"
35 हे म्हारा बेटा! तूं उण नाग री तरै हो जको कांटा री झाड़ी माथै सवार हो जद बो नदी रै मांय हो, अर एक भेड़ियो बांनै

देख'र बोल्यो, "बुराई माथै बदमासी, अर जिको बां सूं बेसी बदमासी है बो बां दोनूं नै निर्देशित करै।"
36अर नाग भेड़िये सूं बोल्यो, "थे जिन मेमना, बकरियां अर भेड़ां नै आखी उमर खाया है, बांनै बांका बाप-पिता अर माता-पिता कनै पाछो देसी के नीं?"
37 भेड़िया बोल्यो, "नीं।" अर नाग उणनै बोल्यो, "म्हारो मानणो है कै थूं म्हारै मांय सूं सबसूं बुरो है।"
38 हे म्हारा छोरा! म्हैं थानै चोखो खाणो खिलायो अर थूं म्हनै सूखी रोटी कोनी खिलाई।
39 हे म्हारा छोरा! म्हैं थानै शक्कर वाळो पाणी दियो। पी अर चोखो चाशनी, अर थूं म्हनै कुंआ सूं पाणी पीबा नै कोनी दियो।
40 हे म्हारा छोरा! म्हैं थानै सिखायो अर थानै पाळ्यो, अर थूं म्हारै वास्तै एक लुकबा री जगां खोद दी अर म्हनै लुकायो।
41 हे म्हारा छोरा! मैं थानै चोखी परवरिश रै साथै पाळ्यो अर थानै लाम्बै देवदार री तरै प्रशिक्षित करियो; अर थूं म्हनै मोड़ दियो अर मोड़ दियो।
42 हे म्हारा छोरा! म्हारै वास्तै आ आस ही कै थूं म्हारै वास्तै एक गढ़वाळो किलो बणावैला, जिणसूं म्हैं उण मांय म्हारा दुसमणां सूं लुक सकूं अर थूं म्हारै वास्तै धरती री गहराई मांय दफनायोड़ा मिनख री तरै बण जावैला; पण प्रभु नै म्हारै माथै दया आई अर म्हनै थारी चालाकी सूं बचा दियो।
43 हे म्हारा छोरा! म्हैं थारी भलाई री कामना करी ही, अर थूं म्हनै बुराई अर घृणा सूं फल दियो, अर अबै म्हैं थारी आंख्यां काढ'र थानै कुत्तां रो खाणो बणाऊंला, थारी जीभ काढूंला अर तलवार री धार सूं थारो माथो काढूंला। अर थारा घृणित कामां रो बदलो थानै देसी।'
44 अर जद नादान आपरै काकै हैकर सूं आ बात सुणी तो बो बोल्यो- हे म्हारा काका! थारै ज्ञान रै मुजब म्हारै सागै व्यवहार करो अर म्हारै पापां नै माफ कर दो, क्यूंकै म्हारै जिसो पाप करणियो कुण है अर थारै जिसो माफ करणियो कुण है?
45 हे म्हारा काका, म्हनै स्वीकार कर ले। अबै म्हैं थारै घर मांय काम करूंला, थारै घोड़ां नै संवारूंला, थारै डंगरां रो गोबर झाड़ूंला अर थारी भेडां रो गोबर झाऊंला, क्यूंकै म्हैं दुष्ट हूं अर थूं धर्मी है। म्हैं दोषी हूं अर थूं माफ करण आळो है।'
46 अर हैकर उणसूं बोल्यो, 'हे म्हारा छोरा! तूं उण पेड़ री तरै है जको पाणी रै कनै बिना फल हो, अर उणरो मालिक उणनै काटणो चावै हो, अर बो उणनै कैयो, "म्हानै दूजी जगां ले जा, अर जे म्हैं फल नीं देवूं तो म्हानै काट दो।"
47अर बिको धणी बाऊँ खह्यो, "जद तूं पाणी रै कांठै है अर फल कोनी दियो, जद थूं दूजी जगै है तो फल कियां देसी?"
48 हे म्हारा छोरा! कागला री जवानी सूं गरुड़ री बुढ़ापा चोखी है।
49 हे म्हारा छोरा! वे भेड़िये सूं कह्यो, "भेडां सूं दूर रैवो, कदैई वांरी धूळ थानै नुकसान नीं पुगावै।" अर भेड़ियो बोल्यो, "भेड़ रै दूध रा टुकड़ा म्हारी आंख्यां रै वास्तै चोखा है।"
50 हे म्हारा छोरा! बां भेड़िये नै स्कूल भेज दियो ताकि वो पढ़णो सीख सकै अर बां उणनै कैयो, "कहो ए, बी।" बो बोल्यो, "म्हारी घंटी रै मांय भेड़ अर बकरी"
51 हे म्हारा छोरा! बां गधा नै टेबल माथै राख दियो अर बो पड़ग्यो अर खुद नै धूळ मांय लुढ़कावण लाग्यो अर एक बोल्यो, "उणनै खुद नै लुढ़कणो चाइजै, क्यूंकै ओ उणरो सुभाव है, बो नीं बदळैला।"
52 हे म्हारा छोरा! आ कहावत पुष्टि कर दी गई है: "अगर थूं कोई छोरो पैदा करै है तो उणनै आपरो बेटो कैवै है अर जे थूं कोई छोरो पाळै है तो उणनै आपरो दास कैवै है।"
53 हे म्हारा छोरा! जो भलो करै है वो भलाई सूं मिलसी; अर जको बुराई करै है बो बुराई सूं मिलसी, क्यूंकै प्रभु मिनख नै उणरै काम रै हिसाब सूं बदलो देवै है।
54 हे म्हारा छोरा! इण सबदां सूं बेसी म्हैं थानै कांई कैवूं? क्यूंकै प्रभु जाणै है कै कांई छुप्योड़ो है अर वो गूढ़ अर गुप्त बातां सूं परिचित है।
55 अर वो थानै बदलो देसी अर म्हारै अर थारै बिचाळै न्याय करेला अर थारै मरुस्थल रै हिसाब सूं थानै बदलो देसी।'
56 अर जद नादान आपरै काकै हैकर सूं ओ भाषण सुण्यो तो बो झट फूलग्यो अर उड़्योड़ा मूत्राशय री तरै बणग्यो।
57अर बांका अंग-अंग फूलग्या अर बांका पगां अर बांका पग फूटग्या अर बांको पेट फूटग्यो अर बांकी आंत बिखरगी अर बो मरग्यो।
58 अर बिको आखरी अंत नास होयो अर बो नरक मांय गयो। क्यूंकै जको आपरै भाई रै वास्तै गड्ढो खोदैला, बो उण मांय पड़ जावैला। अर जको जाळ बिछावै बो बां मांय फंस जावैला।
59 हैकर री कहाणी रै बारै में आ ईज हुई अर (कांई) आपां नै हैकर री कहाणी रै बारै में मिली अर भगवान री सदा स्तुति होवै। आमीन अर शांति।
60 यो वृत्तांत भगवान री मदद सूं पूरा हुयो है, वो ऊंचो होवै! आमीन, आमीन, आमीन।